चैत्र कृष्ण पक्ष नवमी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 265 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
23 मार्च 2025 रविवार

आज का मौसम
34 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

भाजपा का मध्यप्रदेश में *मिशन बिहार*, मुख्यमंत्री यादव फिर *तैनात*

आठ महीने बाद विधानसभा चुनाव अभी से प्रवासी बिहारियों पर नजर

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव को भाजपा हाइकमान ने नए मिशन पर 'तैनात' कर दिया है। कल दिल्ली से लौटने के बाद आज यादव 'बिहारियों' के बीच हैं। बिहार दिवस के मौके पर मप्र भाजपा कार्यालय में भोजपुरी समाज का स्नेह मिलन व भोज के बहाने मप्र से भाजपा बिहार तक तमाम संकेत व समीकरणों को साधने में आज जुटी है। बताया जाता है कि इस तरह के कार्यक्रमों की श्रंखला आगे भी जारी रहेगी। हाल में इंदौर में भी इस तरह का कार्यक्रम हो चुका है। जहां सीएम ने छठ पूजा के लिए तीन तालाब व घाट बनाने की सौगात का ऐलान किया ही था। गौरतलब है कि इस वर्ष के आखिर में बिहार में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं तथा भाजपा बिहार में नीतीश के भरोसे की बजाए पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाने की दिशा मे काम कर रही है। मोहन यादव को मप्र की कमान मिलने के बाद लोकसभा चुनाव के दौरान बिहार व झारखंड में प्रचार के लिए भेजा गया था। अब भाजपा की नजर मजबूत पकड़ के लिए प्रवासी बिहारियों पर है। इस मिशन पर जुटे यादव ने इंदौर में भी बिहार विधानसभा चुनाव में प्रवासी बिहारी समुदाय से भाजपा को समर्थन देने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में बिहार प्रगति के दौर में है और भाजपा सरकार ही राज्य और देश के विकास को सुनिश्चित कर सकती है। खास बात यह है कि इंदौर में पहली बार बिहार स्थापना दिवस मना। अब भोपाल में भी भारी संख्या में बिहार के लोगों व उनके संगठनों से संपर्क करके 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत स्नेह मिलन समारोह' का आयोजन किया गया है। सीएम यादव कहते रहे हैं कि बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव जैसे एक ही परिवार के लोग सत्ता में आते रहेंगे, तो लोकतंत्र कमजोर होगा।

कई दौरे करेंगे यादव समेत अन्य नेता

सीएम मोहन यादव ने लोकसभा चुनाव के अंतिम दौर के चुनाव प्रचार में बिहार की दो लोकसभा सीटों पाटलिपुत्र और पटना साहिब में प्रचार किया था। पाटलिपुत्र में उन्होंने रामकृपाल यादव और पटना साहिब सीट पर रविशंकर प्रसाद के लिए वोट मांगे थे। उनके निशाने पर लालू यादव का परिवार पूरी मुखरता से रहता आया है। जानकार सूत्रों का कहना है कि भाजपा चुनाव के ऐलान से पहले ही बिहार में पूरी सियासी बिसात बिछा रही है। यादव व कुछ अन्य चुनिंदा भाजपा नेता चुनाव के पहले भी वहां के दौरे कर सकते हैं।

एमवाय फैक्टर भी नजर में

दरअसल, मोहन यादव का उत्तर प्रदेश और बिहार की सीटों पर काफी उपयोग किया गया था। इसके जरिए भाजपा की कोशिश समाजवादी पार्टी, आरजेडी के एम-वाय फैक्टर को मात देने का रहा है। सीएम बनने के बाद सबसे पहले मोहन 18 जनवरी को बिहार की यात्रा पर गए थे, जहां पटना में उनका अभिनंदन समारोह रखा गया। खास बात यह है कि बिहार की आबादी में 14 प्रतिशत यादव हैं। यदुवंशियों को भाजपा के पाले में लाने की कोशिश में मोहन यादव भी मुख्य चेहरों में शामिल किए गए हैं।

नीतीश पर कई सवाल

अब पीके बोले- उन्हें मंत्रियों के भी नाम नहीं मालूम

पटना, एजेंसी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हावभाव आजकल चर्चा में हैं। अब जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने एक बार फिर तंज कसा है। प्रशांत ने कहा, नीतीश कुमार की मानसिक हालात ऐसी है कि उनको अपने मंत्रियों का नाम तक याद नहीं हैं या वे नहीं जानते हैं। नीतीश शारीरिक रूप से थके हुए हैं और मानसिक रूप से अस्वस्थ हो गए हैं उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। प्रशांत का कहना है कि मुझे अधिकारियों से जानकारी मिली कि नीतीश कुमार की मानसिक हालत खराब हो गई है। दो दिन पहले भी प्रशांत ने कहा था कि नीतीश फिजिकल टायर्ड और मेंटली रिटायर्ड हैं। मेरी चुनौती है कि वो अपने कैबिनेट के मंत्रियों के नाम बता दें। अनफिट व्यक्ति को बीजेपी ने बिहार का मुख्यमंत्री बना कर रखा है, क्या प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह को इस बात की जानकारी नहीं है ? ज्ञात हो कि हाल में नीतीश राष्ट्रगान के वक्त मंच पर अजीब हरकतें कर रहे थे, इससे पहले वे सांसद रविशंकर प्रसाद के पैर छूने झुक गए थे।

डोनाल्ड ट्रंप ने क्लिंटन व कमला की खुफिया फाइलों तक पहुंच खत्म की

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने डेमोक्रेटिक विरोधियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है और पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन और अन्य कई नेताओं की 'सिक्योरिटी क्लीयरेंस' रद्द कर दी है। इससे पहले ट्रंप ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के खिलाफ भी ऐसा ही एक्शन लिया था। ट्रंप के इस फैसले के बाद अब कमला हैरिस और क्लिंटन अमेरिकी सरकार से जुडी सीक्रेट फाइलों को नहीं देख पाएंगें. ऐसा करके ट्रंप ने पुरानी परंपरा को तोड दिया है। ट्रंप ने कहा कि मैंने ये फैसला लिया है कि अब ये लोग सीक्रेट फाइल तक पहुंच नहीं सकेंगे. क्योंकि इनकी यहां तक पहुंच अब राष्ट्रीय हित में नहीं है।

हालांकि, ये फैसला तत्काल रूप से लागू नहीं होगा लेकिन इस कदम ने अमेरिका में सियासी हलचल बढ़ा दी है। दरअसल, ट्रंप का ये कदम इसलिए चर्चा में है क्योंकि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों को पारंपरिक रूप से खुफिया ब्रीफिंग मिलती रही है ताकि वे मौजूदा राष्ट्रपतियों को राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति पर सलाह दे सकें। हालांकि, बाइडेन ने भी ट्रंप के लिए 2021 में इसी तरह की पाबंदी लागू की थी। अब ट्रंप कई काम कर रहे हैं, जिनमें से एक है कई गोपनीय दस्तावेजों को सार्वजनिक करना। ट्रंप प्रशासन ने हाल में राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की साल 1963 में हुई हत्या से जुड़ी फाइल्स जारी कीं. इसके अलावा वियतनाम से जुड़े पेंटागन पेपर भी ट्रंप पहले कार्यकाल में ही डीक्लासिफाई कर चुके ताकि जनता को कई नई बातें पता लगें।

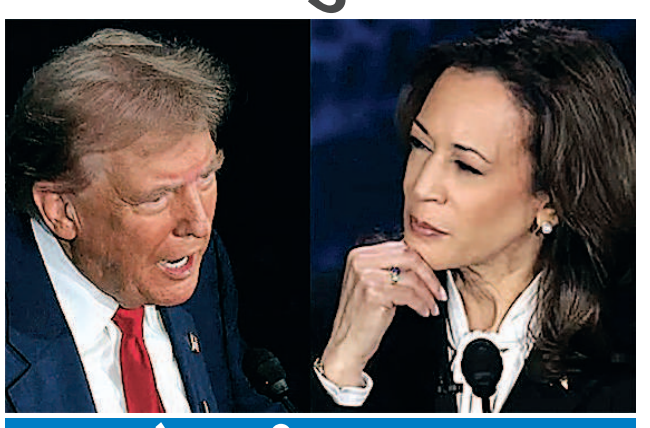

बरसों पुरानी परंपरा समाप्त

डिज्नीलैंड में महिला ने 11 वर्षीय बेटे की हत्या की

नई दिल्ली। एक हैरान करने वाले मामले में अमेरिका में भारतीय मूल की महिला पर डिज्नीलैंड में तीन दिन की छुट्टी के दौरान 11 वर्षीय बेटे की कथित तौर पर हत्या करने का आरोप लगा है। महिला का नाम 48 वर्षीय सरिता रामाराजू बताया गया है। दरअसल, ऑरेंज काउंटी, कैलिफोर्निया के जिला अटॉर्नी के कार्यालय के एक बयान में कहा गया कि अगर सभी आरोपों में दोषी पाई जाती है तो उसे अधिकतम 26 साल से लेकर आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। रामाराजू 2018 में तलाक लेने के बाद कैलिफोर्निया से बाहर चली गई थी। वह सांता एना के एक मोटल में अपने बेटे के साथ रह रही थी। उसने डिज्नीलैंड के लिए तीन दिवसीय पास खरीदे। जिस दिन रामाराजू को मोटल से चेक आउट करके लड़के को उसके पिता को लौटाना था, उसने सुबह कॉल करके बताया कि उसने अपने बेटे को मार दिया है और खुद को मारने के लिए गोलियां खा ली हैं.

मौसम में बदलाव जानलेवा भी, कहीं बारिश व बिजली से मौतें, घर तबाह

भोपाल/नई दिल्ली, एजेंसी

मौसम में हाल के दिनों में आया आंधी पानी वाला बदलाव कई जगह जानलेवा भी हो गया है। 24 घंटों में ओडिशा में अलग-अलग जगहों पर बारिश, आंधी और बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। 67 अन्य घायल हो गए और 600 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं आज देश के 17 राज्यों में बारिश की संभावना है। इसमें बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल और नॉर्थ ईस्ट के राज्य शामिल हैं। जबकि मध्यप्रदेश में ओले-बारिश और आंधी का दौर आज से थम जाएगा। वहीं, अगले 3 दिन तक पारे में बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग के मुताबिक, मप्र में अब 25-26 मार्च से प्रदेश में नए सिस्टम का असर देखने को मिलेगा क्योंकि जल्द वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। यह पहले हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करेगा।

सामान्य से अधिक गर्मी: इस बार मौसम विभाग ने 2025 में भी सामान्य से अधिक गर्मी रहने का अनुमान जताया है। ये हालात हीटवेव की गंभीरता दिखा रहे हैं। उधर सस्टेनेबल फ्यूचर कोलाबोरेटिव, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया और किंग्स कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं की साझा रिपोर्ट में सामने आया है कि भारत एक्स्ट्रीम हीटवेव झेलने के लिए तैयार नहीं है हीटवेव लंबे समय तक बने रहने से ज्यादा मौतें होने की चेतावनी है।

मप्र में बारिश के आसार नहीं

एनटीआरओ के ड्रोन से 'बेघर' हुए नक्सली

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के विरुद्ध अभियान में एनटीआरओ यानि राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन ने बहुत मदद की है और इससे नक्सलियों के सारे ठिकाने सामने आने लगे हैं। इस एजेंसी के ड्रोन व जासूसी उपग्रहों से नक्सलियों की गतिविधियों पर दिन-रात नजर रखी जा रही है। इससे सुरक्षा बलों का अभियान सटीक हो गया है। हाल में एनटीआरओ की सूचना के आधार पर ही जवानों ने बीजापुर में 26 व कांकेर में चार नक्सलियों को मार गिराया था। एनटीआरओ प्रधानमंत्री कार्यालय और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के अधीन काम करता है। इस खुफिया एजेंसी के बेड़े में ड्रोन व उपग्रह शामिल हैं, । खबरों के मुताबिक छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खात्मे की डेडलाइन मार्च 2026 तय की गई है। इसीलिये नक्सल विरोधी अभियान में एनटीआरओ की भूमिका बढ़ गई है। इसकी सूचना के चलते ही दो वर्ष में दो दर्जन से अधिक अभियान सफल हुए हैं और 358 नक्सलियों को मार गिराया गया है।

मेट्रो एंकर | वित्त मंत्रालय का मत - हर व्यक्ति में नहीं होती निवेश की सही समझ

बाजार में पैसा झोंक रहे लोग सरकार चिंतित व बैंक भयभीत

नईदिल्ली, एजेंसी

सरकार की नई चिंता अब लोगों में तेजी से पनपती वह प्रवृत्ति है कि बैंकों में पैसे जमा करने के बजाय बाजार से जुड़े इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट्स में ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे ज्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं। बताया जाता है कि हाल में वित्त मंत्रालय ने संसद को यह जानकारी दी है। मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि इससे लोगों को नुकसान भी हो सकता है। बाजार में उतार-चढ़ाव होने या निवेश की अच्छी समझ नहीं होने पर इसकी आशंका बढ़ जाती है। यह भी कहा गया कि बैंकों में जमा कम होने से बैंकों को भी परेशानी हो सकती है। उन्हें पैसे जुटाने में दिक्कत होगी तथा ज्यादा ब्याज देना पड़ेगा। समिति ने सरकार को सुझाव दिया है कि वह बैंकों की मदद करे तथा लोगों में जागरूक फैलाए ताकि वे सोच-समझकर निवेश के फैसले लें।

दरअसल, वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने संसद की स्थायी समिति को यह जानकारी दी। इसमें साफ किया कि अब लोग बैंकों से पैसे निकालकर बाजार में निवेश कर रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि बाजार में ज्यादा फायदा है। अगर बाजार में गिरावट आती है तो उन्हें नुकसान होगा। समिति ने सुझाव में कहा है कि सरकार को बैंकों की मदद करनी चाहिए। बैंकों को भी ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। खासकर उन इलाकों में जहां बैंकिंग सेवाएं कम हैं। बैंकों को तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए ताकि उनका काम बेहतर हो सके। समिति ने बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई की अनुमति देने के बारे में भी बात की। समिति ने कहा कि सरकार को कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। विदेशी कंपनियां भारत से मुनाफा अपने देश में भेज सकती हैं। इससे भारत में निवेश कम हो सकता है। घरेलू कंपनियों के फैसले लेने की ताकत कम हो सकती है। नौकरियों में भी कटौती हो सकती है। समिति ने यह भी कहा कि बीमा कंपनियां सिर्फ ज्यादा मुनाफे वाली पॉलिसी पर ध्यान दे रही हैं। वे गांवों और गरीब लोगों पर फोकस नहीं कर रही हैं। सरकार भी एफडीआई के नुकसानों से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार रहे। आरबीआई की इंटीग्रेटेड ओम्बड्समैन स्कीम यानी एकीकृत लोकपाल योजना तहत शिकायतों की संख्या पिछले दो सालों में लगभग 50 प्रतिशत बढ़ गई है।

जनधन खातों पर नजर जरूरी

समिति ने कहा कि सरकार को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़ी शिकायतों का समाधान हो सके। समिति ने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इन जनधन खातों में लेनदेन हो रहा है। ये खाते निष्क्रिय या फर्जी नहीं होने चाहिए। समिति ने खातों की अच्छी तरह से जांच करने और नियमित रूप से ऑडिट करने की सिफारिश की है। समिति ने कहा कि अगर कोई गड़बड़ी मिलती है तो उसकी जांच होनी चाहिए। जो खाते लंबे समय से निष्क्रिय हैं या फर्जी पाए जाते हैं, उन्हें बंद कर देना चाहिए।

बाजार में आ गया 'देशी फ्रिज'

भोपाल. शहर में गर्मी का मौसम आते ही मटके बिकने लगे। इसे गरीबों का देसी फ्रिज भी कहा जाता है।

कलेक्टर गाइडलाइन में वृद्धि के खिलाफ फिर उठी आवाज

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

क्रेडाई ने दोबारा उठाई पारदर्शिता और स्थगन की मांग

प्रस्तावित कलेक्टर गाइडलाइन दरों में असमान्य वृद्धि के विरोध में, क्रेडाई ने पुनः प्रभारी मंत्री चैतन्य कश्यप एवं विधायक भगवान दास सबनानी को पत्र सौंपकर गाइडलाइन के क्रियान्वयन को स्थगित करने तथा प्रस्तावित उपबंधों को निरस्त करने का आग्रह किया। यह पत्र 17 मार्च को प्रस्तुत किए गए विस्तृत प्रतिवेदन की निरंतरता में दिया गया, जिसमें गाइडलाइन दरों के निर्धारण में पारदर्शिता, तुलनात्मक डेटा की सार्वजनिक उपलब्धता, और स्वतंत्र समीक्षा समिति के गठन की मांगें प्रमुख थीं।

क्रेडाई ने स्पष्ट किया कि प्रभारी मंत्री द्वारा पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाने के बावजूद, अब तक न तो वर्षवार क्लीन डेटा उपलब्ध कराया गया है और न ही संपदा पोर्टल या वेबसाइट पर स्पष्ट जानकारी नागरिकों को सुलभ कराई गई । चूंकि 22 मार्च को आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि थी, किंतु प्रक्रिया की अपारदर्शिता और सूचनाओं के अभाव में प्रभावी आपत्ति दर्ज कर पाना भी संभव नहीं हो पा रहा।

क्रेडाई अध्यक्ष मनोज मीक ने कहा कि गाइडलाइन दरों की यह असंतुलित और अपारदर्शी वृद्धि केवल शहरी विकास ही नहीं, बल्कि आम नागरिक, किसान, उद्योग, व्यापारी और पूरे शहरी अर्थतंत्र के हितों पर सीधा आघात है। जब तक वैज्ञानिक विश्लेषण, क्लीन डेटा और संवाद आधारित प्रक्रिया सुनिश्चित नहीं होती, तब तक किसी भी प्रकार की दर वृद्धि लोकहित के विरुद्ध है।

क्रेडाई की प्रमुख मांगें

1. गाइडलाइन दरों के क्रियान्वयन को स्थगित किया जाए जब तक समस्त हितधारकों को क्लीन डेटा उपलब्ध न हो।
2. दर निर्धारण प्रक्रिया को संवादात्मक, तथ्यपरक एवं पारदर्शी बनाया जाए।
3. सभी लागू उपबंधों को शीघ्र निरस्त किया जाए।

अब ब्लूलाइन के लिए मशक्कत, 13 किलोमीटर का रूट

मेट्रो के स्टेशन बनाने से पहले मिट्टी की मजबूती पता लगाने की कवायद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब मेट्रो की ब्लू लाइन के लिए मिट्?टी की टेस्टिंग शुरू की गई है। कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर यानि मिंटो हॉल के सामने स्टेशन और आईटीआई-जेके रोड पर पिलर के लिए टेस्टिंग हो चुकी है। अफसरों के मुताबिक, जिस जगह स्टेशन बनेंगे और जहां पिलर ख?े किए जाएंगे, वहां पहले मिट्?टी की टेस्टिंग की जाएगी। ताकि, पता चल सके कि जमीन कितनी मजबूत है। मेट्रो ऑरेंज लाइन के साथ भदभदा-रत्नागिरी के बीच मेट्रो की ब्लू लाइन का काम हाल में शुरू हुआ है। पूरा प्रोजेक्ट करीब 1006 करोड़ रुपए का बताया जाता है। कुल 13 किमी लंबे इस रूट पर 14 स्टेशन बनेंगे।

जानकारों के मुताबिक मिट्टी की टेस्टिंग दो तरह से हो रही है। पहला परीक्षण उन जगहों पर हो रहा है, जहां पिलर खडे किये जाएंगे। वहीं, दूसरा परीक्षण मेट्रो स्टेशन के नीचे हो रहा है। रायसेन रोड स्थित

आईटीआई के सामने और जेके रोड पर पिलर के लिए टेस्टिंग हो चुकी है। वहीं, मिंटो हॉल के सामने स्टेशन के लिए टेस्टिंग शुक्रवार को की गई।

इन जगहों पर 14 स्टेशन,एक इंटरचेंज भी: बताया जाता है कि ब्लू लाइन के लिए कुल 14 स्टेशन बनेंगे। इनमें भदभदा चौराहा, डिपो चौराहा, जवाहर चौक, रोशनपुरा चौराहा, कुशाभाऊ ठाकरे हॉल, परेड ग्राउंड, प्रभात चौराहा, गोविंदपुरा, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जेके रोड, इंद्रपुरी, पिपलानी और रत्नागिरी तिराहा शामिल हैं। एक स्टेशन कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर पर भी बनेगा। 14वें स्टेशन के तौर पर बोगदा पुल (इंटरचेंज) सेक्शन बनाया जाएगा। जहां करोंद चौराहा से एम्स के बीच बनने वाली ऑरेंज लाइन और भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा के बीच चलने वाली ब्लू लाइन का इंटरचेंज होगा। यह एक ऐसा सेक्शन होगा, जहां यात्री एक मेट्रो से उतरकर दूसरी में सवार हो सकेंगे। पुल बोगदा के पास का हिस्सा सुभाष नगर से एम्स (प्रायोरिटी ट्रैक) के पास ही है। इसलिए इंटरचेंज सेक्शन पर भी जल्द ही काम शुरू किया जाएगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि इंटरचेंज सेक्शन को अभी से डिजाइन करना पड़ेगा।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मानित, प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय में प्रतिभा अलंकरण समारोह

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय में शनिवार को को प्रतिभा अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, समाजसेवी हीरो ज्ञानचंदानी, मथुरा प्रसाद एडिशनल डायरेक्टर नर्मदापुरम और भगवानदास सबनानी ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया। विशेष अतिथि के रूप में नरेश ज्ञानचंदानी, डॉ गोपी बजाज भी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत तरीके से हुई, संस्था के अध्यक्ष दयालदास डेटानी एवं महासचिव राजेन्द्र मनवानी, कोषाध्यक्ष दिनेश वासवानी, प्राचार्य डॉ एके सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। डेटानी ने स्वागत भाषण एवं मनवानी ने महाविद्यालय की प्रगति का ब्योरा दिया। इस अवसर पर सांस्कृतिक गतिविधियों में अंताक्षरी, क्विज, वाद विवाद, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया।

एनसीसी में बेस्ट कैरेट्स: शिवानी आरडीसी परेड के लिए को एनएसएस अमन अहिरवार को दिया गया। खेल प्रतियोगिता के विजेताओं को भी प्रशस्ति पत्र दिए गए। कार्यक्रम का संचालन प्रो डॉ सुप्रिया दास ने किया।

सेवासदन को कमल किशोर अग्रवाल के नेत्रों का दान

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

लालघाटी, भोपाल निवासी कमल किशोर अग्रवाल का देहावसान दिनांक 20 मार्च 2025 को हो गया। दिवंगत प्राणी के पौत्र तनय अग्रवाल ने अपने दादाजी की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं । दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे।

सेवासदन अस्पताल ने अभी तक 2208 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा परिवार जन के प्रति स्वजन के नेत्रों का दान करवाने पर कृतज्ञता प्रकट की है।

पानी बचाने के तरीके बता कर मनाया विश्व जल दिवस

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

पंडित दीनदयाल बोरवन क्लब के साथियों ने मिलकर विश्व जल दिवस को जल संरक्षण के तरीकों को और उनसे होने वाले लाभों को बताकर मनाया। क्लब के सदस्यों ने जल संरक्षण हेतु विशेष वृक्षारोपण, वाटर हार्वेस्टिंग,अ नावश्यक बिजली ना जलाना,उ पयोग के बाद नल को अच्छे से बंद करना, भूमिगत जल का आवश्यकतानुसार उपयोग करने का संकल्प लेकर, जल है तो कल है, जल ही जीवन है का नारा लगाया। इस अवसर पर वनरक्षक डी.पी तिवारी, क्लब महासचिव शेट्टी चंदनानी, सुरेश गेहानी, जितेश दिनानी, दिनेश सोनी आदि सदस्य शामिल हुए.

मेट्रो एंकर

विद्यासागर स्कूल में 'स्वागत एवं परिचय' सत्र

दूसरों के सामने कभी बच्चे की बुराई न करें: सिद्धभाऊजी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

विद्यासागर पब्लिक स्कूल,राधीबाई हासोमल ख्यांतानी फाउंडेशन स्कूल एवं अर्जन हाथीरामानी प्ले स्कूल के सत्र 2025-26 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए 'स्वागत एवं परिचय' सत्र का आयोजन किया गया। अभिभावकों को विद्यालय की नियमावली, अपेक्षाएं तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक व रचनात्मक विकास हेतु आयोजित की जाने वाली गतिविधियों से अवगत कराया गया।

इस मौके पर बच्चों एवं अभिभावकों के बीच शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष सिद्ध भाऊजी पहुंचे। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि कि संतानवान होना एक बहुत बड़ा सौभाग्य है और आप सौभाग्यशाली हैं जो ईश्वर ने आपको संतान का सुख दिया है। बच्चें वही सीखते हैं जो वे अपने माता-पिता को करते हुए देखते हैं इसीलिए बच्चों के सामने अपने बड़ों से सम्मान और आदर से बात करें। जैसा आप अपने बच्चों को बनाना चाहते हैं वैसा पहले आपको खुद बनना पड़ेगा। बच्चों को बहुत प्यार और धैर्य से प्रोत्साहित करें। दूसरों के सामने कभी उनकी बुराई ना करें। घर में दादा-दादी के साथ बच्चों को समय व्यतीत करने दें, वे बच्चों को कहानियों के माध्यम से अच्छी बातें सिखाते हैं, उनमें संस्कार रोपित करते हैं।

प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी ने सत्र 2025-26 की पहली पेरेन्ट्स इंटरेक्शन मीटिंग में विद्यालय के बारे में जानकारी दी। विद्यालय की कोऑर्डिनेटर दीपा भागवानी ने अभिभावकों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए उन्हें विद्यालय से संबंधित नियमों की जानकारी दी। इस मौके पर नवनिध स्कूल की प्राचार्या अमृता मोटवानी एवं कोऑर्डिनेटर रीटा आहूजा, शिक्षिकाएं एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे।

हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए एम्स के डॉक्टर को भेजा चेन्नई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एम्स के एनेस्थीसिया विभाग के प्रोफेसर डॉ. जेपी शर्मा को गंभीर अवस्था में हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए पीएम श्री एयर एंबुलेंस से चेन्नई भेजा गया है। वे कन्जेस्टिव कॉर्डियक फेलियर से पीड़ित हैं। सिर्फ 10 फीसदी हृदय ही काम कर रहा है। ऐसे में हार्ट ट्रांसप्लांट अंतिम विकल्प है। एम्स भोपाल में खुद हार्ट ट्रांसप्लांट की सुविधा है, लेकिन प्रदेश में अंगदान के प्रति जागरुकता कमी है। 3 साल में कैडेवर डोनेशन से 2 हृदय ही दान में मिले। जिसमें से सिर्फ एक एस भोपाल में 53 वर्षीय मरीज में ट्रांसप्लांट किया गया। वहीं, डॉ. शर्मा वर्तमान में आर्टिफिशियल हार्ट लंग मशीन पर हैं। एस के डॉक्टरों ने कहा कि इस मशीन पर मरीज को ज्यादा दिन रखना मुश्किल है। चेन्नई के एमजीएम हॉस्पिटल में नियमित अंतराल में हार्ट ट्रांसप्लांट होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डॉ. शर्मा की स्थिति संज्ञान में आते ही, तत्काल प्रभाव से उन्हें भोपाल से चेन्नई भिजवाने के लिए पीएम श्री एयर एबुलेंस उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए गए। एयर एबुलेंस सेवा ऐसी स्थितियों में देवदूत सिद्ध हो रही है। बता दें, ग्रीन कॉरिडोर बना एस से एयरपोर्ट तक की 24 किमी की दूरी महज 16 मिनट में तय की गई है। जिसमें यातायात पुलिस के 1 सहायक पुलिस आयुक्त, 4 निरीक्षक, 5 उप निरीक्षक समेत कुल 75 अधिकारी व कर्मचारी नियुक्त किए गए थे।

जमीन पर 11 करोड़ का निवेश, 19 औद्योगिक इकाईयों का निर्माण शुरू

जीआईएस में मिले थे इन इकाईयों के निर्माण संबंधी प्रस्ताव

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में मिले 33.77 लाख करोड़ के प्रस्तावों में से 1100 करोड़ की लागत वाली 19 औद्योगिक इकाईयों का निर्माण शुरू हो गया है। यह शुरुआत शुक्रवार से हुई। जिसमें भिंड के मालनपुर में 1000 करोड़ की लागत वाली एलिक्सर इंडस्ट्रीज, ग्वालियर में 31.92 करोड़ की लागत वाली रेडीमेड गारमेंट पार्क की 7 और मुरैना जिले के पिपरसेवा में 58.06 करोड़ की लागत वाली 11 औद्योगिक इकाइयां शामिल है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने इनका भूमिपूजन कियाा है। उल्लेखनीय है कि जीआईएस व रीजनल समिट को मिलाकर सरकार को बीते एक साल में 30.77 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। अब इन्हें जमीन पर उतारने की कवायद की जा रही है। सीएम के निर्देश पर 6 स्तरीय निगरानी समिति काम कर रही है। हर महीने विभागीय एसीएस व पीएस को समीक्षा कर सीएस को

रिपोर्ट देनी है। वह स्वयं भी समीक्षा करेंगे। हर दो महीने में मुख्यमंत्री बैठक करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक भिंड के मालनपुर में एलिक्सर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मीडियम डेंसिटी फाइबर बोर्ड (एमडीएफ) और उससे संबंधित उत्पादों जैसे प्री-लैमिनेटेड, लैमिनेटेड वुडेन फ्लोरिंग और यूवी कोस्टेड बोर्ड का निर्माण किया जाएगा। साथ ही यह कंपनी हर वर्ष 1 करोड़ से अधिक नीलगिरी, बांस, पॉपलर और बबूल के पौधे लगाएगी, जो पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देंगे। ग्वालियर में रेडीमेड गारमेंट पार्क विकसित किया जा रहा है। इसमें 7 औद्योगिक इकाइयां रेडीमेड गारमेंट बनाएंगी। वहीं मुरैना जिले के पिपरसेवा औद्योगिक क्षेत्र में 11 औद्योगिक इकाइयां मिलकर विभिन्न क्षेत्रों के लिए अलग-अलग सामग्रियों का उत्पादन करेंगी। सीएम ने मालनपुर में आयोजित समारोह से ग्वालियर रेडीमेड गारमेंट पार्क में स्थापित की जा रही नई इकाईयों के संचालकों और मुरैना जिले के पिपरसेवा में स्थापित की जा रही नई इकाईयों के संचालकों से वर्चुअली संवाद किया। जिसमें कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास का जो सपना देखा है, चंबल क्षेत्र उसमें सुनहरा अध्याय लिख रहा है। चंबल की भूमि उपजाऊ है, कमाऊ और टिकाऊ भी है। चंबल जैसा टिकाऊ जज्बा और कहीं देखने को नहीं मिलता है। चंबल अब विकास के नाम से पहचाना जाता है।

एमसीयू में सीयूईटी एवं विश्वविद्यालय ने नए सत्र में 11 कोर्स ऑफर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय इस वर्ष प्रवेश के लिए सीयूईटी के जरिए 11 कोर्स ऑफर कर रहा है । शुक्रवार को कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में ये निर्णय लिया गया। सीयूईटी-यूजी एवं सीयूईटी-पीजी के अलावा विश्वविद्यालय के स्तर पर भी विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया पृथक से संचालित की जायेगी, जिसकी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाईट एवं विज्ञापन के माध्यम से दी जाएगी। विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर भोपाल के साथ ही रीवा, खंडवा और दतिया परिसर में भी प्रवेश के लिए विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं । जिन 11 कोर्स को सीयूईटी के जरिए विश्वविद्यालय ने ऑफर किया है, वे कोर्स इस प्रकार हैं । बी.ए. (पत्रकारिता और रचनात्मक लेखन), बी.एससी. (फिल्म और कम्युनिकेशन स्टडीज),बी.ए. (अंग्रेजी पत्रकारिता),बी.ए. (मास कम्युनिकेशन), बी.ए. (विज्ञापन और जनसंपर्क),बी.एससी.(इलेक्ट्रॉनिक मीडिया),बी.एससी. (मल्टीमीडिया), बी.कॉम (प्रबंधन),कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बीसीए),बी.एससी. (मीडिया रिसर्च) एवं बी.ए. (हिंदी भाषा, प्रौद्योगिकी और अनुवाद) ।

खेत की फसलों में धधकी आग तो काफिला रोककर बुझाने पहुंचे मंत्री

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने खेत में आग लगी देखी तो खुद उसे बुझाने पहुंच गए। मंत्री ने न केवल आग बुझाने में मदद की बल्कि नुकसान के बारे में भी जानकारी भी ली। यह घटना बीती शाम को शाजापुर के अकोदिया की है। यहां अकोदिया-शुजालपुर रोड पर फूलेन टोल नाका के पास खेत में ख?ी गेहूं की फसल में अचानक आग लग गई। किसान परिवार उसे बुझाने में जुटा था। इसी बीच मंत्री परमार का काफिला वहां से गुजरा। मंत्री ने फसल में आग लगी देखी तो ड्राइवर को गा?ी रोकने के लिए कहा। वे गा?ी से उतरे और खेत में पहुंच गए। आग बुझाने में किसान परिवार की मदद करने लगे। फूलेन

गांव के रहने वाले किसान केदार सिंह मेवाड़ा ने %7 बीघा खेत में गेहूं की फसल लगाई थी। ये पककर तैयार हो गई थी। शनिवार शाम को शॉर्ट सर्किट के कारण खेत में आग लग गई। फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंची। ट्रैक्टर से फसल को काटकर अलग किया। फिर पानी से आग बुझाई। इसके कुछ देर दमकल की गाड़ी पहुंची। तीन बीघा फसल जल गई है।%

बताया जाता है कि कैबिनेट मंत्री परमार शनिवार को शाजापुर के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण करने गए थे। इसके बाद लौटते वक्त उन्होंने खेत में आग लगी देखी।

अस्सिटेंट प्रोफेसर भर्ती मामले में उम्मीदवारों को अंतरिम राहत का आदेश

भोपाल। हाईकोर्ट ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा मामले में अभ्यार्थियों को बड़ी राहंत देते हुए आयु सीमा छूट को लेकर एक बड़ा राहतकारी अंतरिम आदेश पारित किया है। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत एवं जस्टिस विवेक अग्रवाल की युगलपीठ ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में अनुसूचित जाति-जनजाति के अभ्यर्थियों को पांच वर्ष की अतिरिक्त आयु सीमा छूट दिए जाने का अंतरिम आदेश पारित किया है। हालांकि चयन सूची व परिणाम विचाराधीन याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रखे जाने की व्यवस्था भी दी है। जानकारी के मुताबिक चिकाकर्ता दमोह निवासी छोटे लाल अहिरवार की ओर से अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखा। संजीव कुमार सिंह ने कोर्ट को दलील देते हुए बताया कि याचिकाकर्ता अतिथि विद्वान के रूप में कार्यरत हैं।

लेटलतीफी से परेशान माशिम

उत्तर पुसितका चैक कर रहे 40 हजार शिक्षक, अब ऑनलाइन हाजिरी लगेगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन में इस बार काफी सख्ती बरत रहा है। निर्धारित नियम के अनुसार, प्रत्येक शिक्षक को हर दिन कम से कम 30 उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना है, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। इस कारण मंडल ने इस बार मूल्यांकनकर्ताओं की उपस्थिति को ऑनलाइन दर्ज करने की व्यवस्था की है। इसके लिए एक सॉफ्टवेयर तैयार किया है, जो सभी समन्वयक केंद्रों के पास होगा। सबसे पहले शिक्षकों को ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करानी होगी। इसके लिए मंडल ने सभी समन्वयक केंद्रों को निर्देश जारी किए हैं कि एक कंप्यूटर सिस्टम और एक ऑपरेटर की व्यवस्था की जाए।24 मार्च से सभी मूल्यांकनकर्ताओं को उपस्थिति

ऑनलाइन दर्ज करनी होगी। बता दें कि 10वीं व 12वीं के 17 लाख विद्यार्थियों की 90 लाख उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए करीब 40 हजार शिक्षकों को लगाया गया है।मंडल ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन केंद्र पर उपस्थित होने पर सर्वप्रथम मूल्यांकन केंद्र पर निर्धारित स्थान पर उक्त लिंक के माध्यम से अपने आईडी सिस्टम में दर्ज कराकर अपने आने का समय पंजीकृत कराएंगे।इसी तरह निकलने से पहले प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता फिर आईडी से निकलने का समय ऑनलाइन दर्ज कराएंगे। साथ ही एक दिन में कितनी उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया। इसकी संख्या भी दर्ज करानी होगी।

दूसरे सप्ताह में रिजल्ट

यह भी निर्देशित किया है कि अगर किसी मूल्यांकनकर्ता ने ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं कराई तो उसे उस दिन अनुपस्थित मान्य किया जाएगा। दूसरे चरण का मूल्यांकन कार्य शनिवार से शुरू हुआ है। सुबह 10.30 बजे से साढ़े पांच बजे तक मूल्यांकन कार्य संचालित किया जा रहा है। वहीं तीसरे चरण का मूल्यांकन कार्य 31 मार्च से शुरू होगा। अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक मूल्यांकन पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस बार मई के दूसरे सप्ताह में रिजल्ट घोषित होने की संभावना है।

आंचलिक विज्ञान केंद्र: विश्व जल दिवस पर हुई पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

भोपाल। हमारे दैनिक जीवन में जल की भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से, आंचलिक विज्ञान केंद्र भोपाल ने विश्व जल दिवस मनाया। इस अवसर पर केंद्र के परिसर में इस वर्ष के वैश्विक विषय 'ग्लेशियर संरक्षण' पर केंद्रित कई कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, स्कूली छात्रों के बीच दो श्रेणियों में 'ग्लेशियर संरक्षण' विषय पर आधारित एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में कुल 40 छात्रों ने भाग लिया। इसके अलावा, ग्रीन हाउस प्रभाव के कारण ग्लेशियरों के पिघलने और इसके परिणामस्वरूप समुद्र के स्तर में वृद्धि को दर्शाने वाले एक कार्यशील मॉडल का एक लाइव प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा, 'जल परीक्षण' विषय पर एक कार्यशाला भी आयोजित की गई जिसमें पानी के नमूने का गुणात्मक और मात्रात्मक विश्लेषण किया गया। विश्लेषण के एक भाग के रूप में, 5 रासायनिक सूचकों (जैसे लिटमस, फीनॉलफ्थेलिन, थाइमोल थेलिन, मिथाइल ऑरेंज और यूनिवर्सल इंडिकेटर) का उपयोग करके पानी के नमूने की अम्लता या क्षारीयता गुणों की जांच की गई और पीएच पेपर का प्रयोग करके नमूने का पीएच स्तर निर्धारित किया गया। इनमें से प्रत्येक कार्यक्रम में कुल 20 छात्रों ने भाग लिया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के सभी मेधावी प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

अब ईकेवायसी कराने पर ही मिलेगा सरकारी योजना का लाभ

बिजली उपभोक्ता के लिये नियम बना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अब प्रदेश में ईकेवायसी कराने पर ही बिजली उपभोक्ताओं को शासकीय योजनाओं का लाभ मिलेगा।इसके लिए बिजली कंपनी द्वारा सतत प्रक्रिया के तहत ईकेवायसी करवाई जा रही है।जिसके तहत मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के राजधानी सहित 16 जिलों में कुल छह लाख 82 हजार 742 उपभोक्ताओं ने ईकेवायसी करवा ली है। कंपनी द्वारा इस प्रक्रिया के तहत बिजली

उपभोक्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी जैसे समग्र आइडी, मोबाइल नंबर, बैंक खाता आदि की जानकारी को अपडेट किया जा रहा है।

बताया जाता है कि राजधानी में एक लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने ईकेवायसी करवा ली है। इनमें ग्रामीण क्षेत्र में 38 हजार 800 और शहरी क्षेत्र में 63 हजार 781 उपभोक्ता शामिल हैं।जबकि नर्मदापुरम ग्रामीण में 72 हजार, बैतूल ग्रामीण में 91 हजार 434, राजग? ग्रामीण में 53 हजार 236, गुना ग्रामीण में 32 हजार 389, विदिशा ग्रामीण में 50 हजार 725, सीहोर ग्रामीण में 24 हजार 254, ग्वालियर ग्रामीण में 21 हजार 115, शहर वृत्त ग्वालियर में 47 हजार 300 और अशोकनगर ग्रामीण में 26 हजार 384, दतिया ग्रामीण में 25 हजार 390, रायसेन ग्रामीण में 44 हजार 105, शिवपुरी ग्रामीण में 26 हजार 048, हरदा ग्रामीण में 20 हजार 993श्योपुर ग्रामीण में 09 हजार 695, मुरैना ग्रामीण में 24 हजार 119 और भिंड ग्रामीण में 10 हजार 973 बिजली उपभोक्ताओं की ईकेवायसी की गई है।

अवैध क्लीनिकल ट्रायल व मौतों पर सुप्रीम कोर्ट ने निगरानी की जरुरत बताई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अवैध तरीके से किए जाने वाले क्लीनिकल ट्रायल को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर माना और निगरानी की जरुरत बताई। मामले में न्यायमूर्ति पामीदीघंटम नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जयमालया बागची ने शुक्रवार को सुनवाई की। यह मामला मप्र के इंदौर, भोपाल समेत, गुजरात व आंध्रप्रदेश समेत कई राज्यों से जुड़ा है। जिसको लेकर स्वास्थ्य अधिकार मंच ने 2012 में जनहित याचिका लगाई थी। जिसमें दावा किया था कि कई लोगों पर अवैध रूप से क्लीनिकल ट्रायल किए गए, कुछ मामलों में मौतें हुईं। इसकी निगरानी नहीं की, शिकायत के बाद कार्रवाई भी नहीं कर रहे। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता स्वास्थ्य अधिकार मंच द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर विस्तृत जवाब चार सप्ताह के भीतर दाखिल किया जाए। अधिवक्ता संजय पारीख ने सुप्रीम कोर्ट के सामने पक्ष रखते हुए बताया कि अधिनियमों और नियमों के बावजूद, भोपाल गैस पीड़ितों पर अनैतिक क्लीनिकल परीक्षण, एचपीवी वैक्सीन परीक्षण और इंदौर, जयपुर और देश के अन्य हिस्सों में हुए अनैतिक परीक्षणों से संबंधित कई मुद्दे अभी भी दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। हजारों क्लीनिकल परीक्षण विषयों में मौतें हुईं। शारीरिक दुष्परिणाम भी आए पर मुआवजा नहीं मिला। क्लीनिकल ट्रायल नियम 2019 के लागू होने के बावजूद अभी तक क्लीनिकल ट्रायल के विषयों की भर्ती की कोई प्रक्रिया व प्रायोजकों और जांचकर्ताओं की कोई जवाबदेही नहीं है, उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू करने का कोई प्रावधान नहीं है।

अवैध ट्रायल में हुई 6500 मौतें-

स्वास्थ्य अधिकार मंच के अमूल्य निधि का दावा है कि मप्र के इंदौर, राजस्थान के जयपुर में अनैतिक क्लीनिकल ट्रायल में शामिल जांचकर्ताओं और एचपीवी वैक्सीन मामले शामिल स्पॉन्सर और इन्वेस्टिगेटर पर अभी तक कार्रवाई पूरी नहीं की गई। ज्ञात हो कि वर्ष 2005 से 2020 तक 6500 लोगों की मौतें क्लिनिकल ट्रायल के दौरान हुई है और सरकार ने मात्र 217 मृतकों को ही मुआवजा दिया। गंभीर शारीरिक दुष्परिणाम के 27 हजार 890 मामले सामने आए और इनमें से किसी को भी मुआवजे का कोई रेकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। उन्होंने दावा किया कि 2004-2008 में भोपाल गैस पीड़ितों पर क्लीनिकल परीक्षण किए थे, जिसमें 23 मौतें हुई थी। जबकि इंदौर के अस्पताल में 6 डॉक्टरों द्वारा 3307 लोगों पर किए गए 76 क्लीनिकल ट्रायल में से 81 को गंभीर दुष्प्रभाव हुए और उनकी मौत हो गई।

गुजरात-आंध्रप्रदेश के लोगों पर भी अवैध ट्रायल

स्वास्थ्य अधिकार मंच के सदस्यों का दावा है कि आंध्र प्रदेश और गुजरात में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस का ट्रायल बिना सहमति के किया गया और उसपर सरकारी समिति ने जांच की थी जिसमें कि आंध्र प्रदेश में 1,948 बच्चों के मामले में सहमति फॉर्म पर माता-पिता के अंगूठे के निशान थे, और 2,763 बच्चों के मामले में सहमति फॉर्म पर छात्रावास वार्डन के हस्ताक्षर थे। गुजरात के मामले में 6,217 फॉर्म पर हस्ताक्षर किए गए थे, 3,944 पर अंगूठे के निशान थे, और 545 पर अभिभावकों के हस्ताक्षर थे या उनके अंगूठे के निशान थे। इन फॉर्म पर गवाहों के हस्ताक्षरों के संबंध में और भी विसंगतियां पाई गईं।

मेट्रो एंकर डेढ़ लाख कर्मियों को आधा मानदेय, वह भी समय पर नहीं मिल रहा, वाट्सएप पर नौकरी से निकालने का मिल रहा फरमान

आउटसोर्स कर्मियों की पीड़ा, कंपनी व अफसर हड़प रहे मानदेय !

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जिस आउटसोर्स व्यवस्था के पीछे सरकार जनता की महत्वपूर्ण सेवाओं को छोड़ रही है, वे आउटसोर्स कर्मी आर्थिक व मानसिक पीड़ा से गुजर रहे हैं। आउटसोर्स कंपनियां और अफसर मिलकर इन कर्मियों का आधा मानदेय हड़प रहे हैं तो बचा मानदेय भी समय पर नहीं देते। ऐसी स्थिति प्रदेश के प्रत्येक जिलों में निर्मित हो रही है।

शिकायत करने वाले कर्मियों को वाट्सएप पर फरमान जारी कर सेवा से हटाया जा रहा है। असल में प्रदेश की आबादी तेजी से बढ़ी है, उस अनुरूप सेवा देने वाले कर्मियों की जरुरत भी बढ़ी है, जिसे सरकार पूरा नहीं कर पा रही है। इससे अलग जो कर्मचारी पूर्व से सेवाएं दे रहे हैं, वे तेजी से सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उनकी जगह शासकीय कर्मियों की भर्ती नहीं की जा रही बल्कि उनकी जगह आउटसोर्स कर्मियों को रखा जा रहा है। यह काम

सीधे सरकार न कर आउटसोर्स कंपनियों के द्वारा किया जा रहा है। इनमें से कई कंपनियां कर्मचारियों का बेजा शोषण कर रही है।

विधानसभा में भी उठ चुका है मामला

आउटसोर्स कर्मियों को लेकर विधानसभा सत्र में भी मुद्दा उठ चुका है। विपक्ष के कई विधायकों ने कहा कि यह बड़ा घोटाला चल रहा है। कर्मियों को परेशान किया जा रहा है। इन्हें मानदेय नहीं दिया जाता, जो मिलता है वह आधा भी नहीं होता। विपक्ष ने इस व्यवस्था को खत्म करने की मांग भी रखी।

आउटसोर्स कंपनियों में कई नेता-अफसरों के लोग घर बैठे कर रहे कमाई

इन कंपनियों को कई बड़े प्रभावशाली नेताओं का संरक्षण बताया जा रहा है। कुछ नेताओं के करीबियों की ही कंपनियां हैं, जिन्हें हर महीने सरकार करोड़ों का भुगतान करती है, जो कर्मचारियों को सीधे होकर आधा-अधूरा होता है। बाकी का लाभ कंपनियां कमा रही है। सूत्रों के मुताबिक कुछ नेता व आईएएस अफसरों के इन कंपनियों से 50-50 लोग काम कर रहे हैं, जिनमें से कई तो सेवा देने नहीं आते और घर बैठे मानदेय ले रहे हैं।

आउटसोर्स व्यवस्था बंद करे सरकार

आउटसोर्स व्यवस्था को बंद करने की मांग उठती रही है। अब यह तेजी से उठ रही है। संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह का कहना है कि प्रदेश में कुछ निजी आउटसोर्स कंपनियां बड़ा घोटाला कर रही है, जिसमें कुछ प्रभावशाली लोग मिले हुए हैं। सरकार की छवि प्रभावित हो रही है। इस व्यवस्था को खत्म् कर कर्मचारियों की नियुक्ति सरकार द्वारा की जानी चाहिए।

कई जिलों में जारी है आउटसोर्स कर्मियों का शोषण-

भोपाल में जेपी अस्पताल के कई कर्मियों को, उमरिया के पाली में 5 माह से, शहडोल के बुढार में 6 माह से, श्योपुर के विजयपुर जनपद में 11 माह से और दमोह जिले 8 माह से मानदेय नहीं दिए जाने की शिकायत आई है। जबकि विधानसभा में विधायकों ने सतपना, जबलपुर समेत कई जिलों में 11 महीने से मानदेय नहीं दिए जाने का मुद्दा उठाया। इतना ही नहीं, सागर में पोषण पुनर्वास केंद्र के सपोर्ट स्टाफ के कई कर्मचारियों को कुल मानदेय का 50 फीसद दिया जा रहा है। वहीं जबलपुर के कई कर्मियों का दो वर्ष से ईपीएफ जमा नहीं किया है।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार 23 मार्च 2025 epaper.dopaharmetro.com

घर और आंगन में अब नहीं सुनाई देती चीं चीं कर चहचहाती विश्व की सबसे पुरानी चिड़िया

गौरैया के बिना जीवन संगीत अधूरा

ललित गर्ग

गौरैया विलुप्त होने की कगार पर पंहुची विश्व की सबसे पुरानी पक्षी प्रजाति है। सुदूर अतीत से पिछले एक-दो दशक तक हमारे घर-आंगन में फुदकने वाली एवं हमारे जीवन संगीत का अहम हिस्सा गौरैया आज विलुप्ति के कगार पर है। घरों को अपनी चीं-चीं से चहकाने वाली गौरैया अब दिखाई नहीं देती।

इस छोटे आकार वाले खूबसूरत एवं शांतिपूर्ण पक्षी का कभी इंसान के घरों में बसेरा हुआ करता था और बच्चे बचपन से इसे देखते हुए बड़े हुआ करते थे। ज्यादा से ज्यादा लोग गौरैया के साथ इंसानी संपर्क के महत्व को समझे एवं इस नन्हें से परिंदे को बचाने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है। नेचर फोरेवर सोसाइटी (भारत) और इको-सिस एक्शन फाउंडेशन (फ्रांस) के मिले जुले प्रयास के कारण इस दिवस को मनाने की शुरुआत 2010 में हुई। नासिक निवासी भारतीय प्रकृति एवं संरक्षणवादी डॉ.मोहम्मद दिलावर ने घरेलू गौरैया पक्षियों की सहायता हेतु नेचर फोरेवर सोसाइटी की स्थापना की थी। इनके इस कार्य को देखते हुए टाइम ने 2008 में इन्हें हिरोज ऑफ दी एनवायरमेंट नाम दिया था। पर्यावरण के संरक्षण और इस कार्य में मदद की सराहना करने हेतु एनएफएस ने 20 मार्च 2011 में गुजरात के अहमदाबाद शहर में गौरैया पुरस्कार की शुरुआत की थी। गौरैया पक्षी प्रकृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 2025 में विश्व गौरैया दिवस का थीम 'प्रकृति के नन्हे दूतों को श्रद्धांजलि' है।भारत में गौरैया आम जनजीवन का हिस्सा हुआ करती थी, उनकी संख्या घटने के पीछे कई कारण हैं। बढ़ता शहरीकरण और पेड़ों की कटाई उनके घोंसले बनाने की जगहें खत्म कर रहे हैं। मोबाइल टावरों से निकलने वाले रेडिएशन उनकी प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं। कीटनाशकों और रसायनों के बढ़ते उपयोग के कारण उनके भोजन के स्रोत कम हो रहे हैं। इसके अलावा, आधुनिक घरों की वास्तुकला में ऐसी संरचनाएं नहीं होतीं जहां गौरैया अपना घोंसला बना सके, जिससे उनके अस्तित्व पर संकट बड़ता जा रहा है। विशेषतः यह पक्षी मानवीय लोभ की भेंट तो चढ़ ही रहे हैं, जलवायु परिवर्तन के कारण भी इनकी संख्या लगातार कम हो रही है। कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए पक्षियों का शिकार एवं अवैध व्यापार जारी है। माइक्रोवेव प्रदूषण जैसे कारण इनकी घटती संख्या के लिए जिम्मेदार हैं। जन्म के शुरुआती पंद्रह दिनों में गौरैया के बच्चों का भोजन कीट-पतंग होते हैं। पर आजकल हमारे बगीचों में विदेशी पौधे ज्यादा उगाते हैं, जो कीट-पतंगों को आकर्षित नहीं कर पाते। जीवन के अनेकानेक सुख, संतोष एवं रोमांच में से एक यह भी है कि हम कुछ समय पक्षियों के साथ बिताने में लगाते रहे हैं, अब ऐसा क्यों नहीं कर पातेड़ क्यों हमारी सोच एवं जीवनशैली का प्रकृति-प्रेम विलुप्त हो रहा हैड़ मनुष्य के हाथों से रचे कृत्रिम संसार की परिधि में प्रकृति, पर्यावरण, वन्यजीव-जंगल एवं पक्षियों का कलरव एवं जीवन-ऊर्जा का लगातार खत्म होते जाना जीवन से मृत्यु की ओर बड़ने का संकेत है।

विश्व गौरैया दिवस गौरैया के संरक्षण और उसके सामने आने वाली चुनौतियों के प्रति जागरूक करने के लिये मनाया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि पक्षियों की सुरक्षा केवल उनके अस्तित्व के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए भी जरूरी है। जैसे-जैसे पर्यावरणीय समस्याएं बड़ रही हैं, वैसे-वैसे गौरैया और अन्य शहरी पक्षियों की सुरक्षा और भी महत्वपूर्ण हो गई है। दिल्ली में तो गौरैया इस कदर दुर्लभ हो गई है कि ढूंढे से भी यह पक्षी देखने को नहीं मिलता, इसलिए वर्ष 2012 में दिल्ली सरकार ने इसे राज्य-पक्षी घोषित कर दिया था। गौरैया के अस्तित्व पर मंडरा रहा खतरा मानवता पर भी एक प्रश्नचिह्न भी है। गौरैया जैसे बेजुबान पक्षियों का बड़ी संख्या में विलुप्त होना पर्यावरण संतुलन के लिये तो बड़ा खतरा है ही लेकिन इसका असर मानव जीवन पर भी होगा। यह धरती केवल इंसानों के लिये नहीं है, बल्कि वन्य जीवों के लिये भी है, इसलिये पक्षियों का विलुप्त होना या मरना हमारे लिये चिन्ता का बड़ा कारण बनना चाहिए। मौजूदा समय में पशुओं एवं पक्षियों की संख्या का लगातार घटना एक अत्यन्त चिन्ताजनक स्थिति है। मानवीय व्यक्तित्व का एक महत्वपूर्ण घटक है संवेदनशीलता, जो व्यक्तित्व का गरिमा प्रदान करता है, उसे गहराई एवं ऊंचाई प्रदान करता है, इसके अभाव में मानव दानव बन जाता है, गौरैया जैसे पक्षियों के प्रति बरती जा रही संवेदनहीनता इसी की परिचायक है।

मनुष्य का लोभ एवं संवेदनहीनता भी त्रासदी की हद तक बड़ी है, जो वन्यजीवों, पक्षियों, प्रकृति एवं पर्यावरण के असंतुलन एवं विनाश का बड़ा सबब बना है। दरअसल हमारे यहां बड़े जीवों के संरक्षण पर तो ध्यान दिया जाता है, पर गौरैया जैसे छोटे पक्षियों के संरक्षण पर उतना नहीं। अब भी यदि हम जैव विविधता को बचाने का सामूहिक प्रयास न करें, तो बहुत देर हो जाएगी। पक्षी विज्ञानी हेमंत सिंह के अनुसार गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। यदि इसके संरक्षण के उचित प्रयास नहीं किए गए तो हो सकता है कि गौरैया इतिहास का प्राणी बन जाए और भविष्य की पीढ़ियों को यह देखने को ही न मिले। ब्रिटेन की 'रॉयल सोसायटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्डस' ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को 'रेड लिस्ट' में डाला है। आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह ह्रास ग्रामीण और शहरी, दोनों ही क्षेत्रों में हुआ है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है।

हर परिस्थितियों में खुद को अनुकूल बना लेने वाली यह चिड़िया अब भारत ही नहीं, यूरोप के कई बड़े हिस्सों में भी काफी कम रह गई है। ब्रिटेन, इटली, फ्राँस, जर्मनी और चेक गणराज्य जैसे देशों में इनकी संख्या जहाँ तेजी से गिर रही है, तो नीदरलैंड में तो इन्हें 'दुर्लभ प्रजाति' के वर्ग में रखा गया है। कई बार लोग अपने घरों में इस पक्षी के घोंसले को बसने से पहले ही उजाड़ देते हैं। कई बार बच्चे इन्हें पकड़कर पहचान के लिए इनके पैर में धागा बांधकर इन्हें छोड़ देते हैं। इससे कई बार किसी पेड़ की टहनी या शाखाओं में अटक कर इस पक्षी की जान चली जाती है। इतना ही नहीं कई बार बच्चे गौरैया को पकड़कर इसके पंखों को रंग देते हैं, जिससे उसे उड़ने में दिक्कत होती है और उसके स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर पड़ता है। पक्षी विज्ञानियों के अनुसार गौरैया को फिर से बुलाने के लिए लोगों को अपने घरों में कुछ ऐसे स्थान उपलब्ध कराने चाहिए, जहां वे आसानी से अपने घोंसले बना सकें और उनके अंडे तथा बच्चे हमलावर पक्षियों से सुरक्षित रह सकें। गौरैया आजकल अपने अस्तित्व के लिए मनुष्यों और अपने आसपास के वातावरण से काफी जद्दोजहद कर रही है। ऐसे समय में हमें इन पक्षियों के लिए वातावरण को इनके प्रति अनुकूल बनाने में सहायता प्रदान करनी चाहिए। तभी ये हमारे बीच चह चहायेंगे।

मनुष्यों को गौरैया के लिए कुछ ना कुछ तो करना ही होगा, वरना यह भी मॉरीशस के डोडो पक्षी और गिद्ध की तरह पूरी तरह से विलुप्त हो जायेंगे। घरेलू गौरैया पृथ्वी पर सबसे आम और सबसे पुरानी पक्षी प्रजातियों में से एक है। हमें पक्षियों के स्वास्थ्य के प्रति भी सजग होना चाहिए। सरकारों को भी पक्षियों के इलाज एवं जीवन-सुरक्षा के पुख्ते प्रबंध करने चाहिए। भारत की संस्कृति में पक्षियों को दाना एवं पानी डालने की व्यवस्था जीवनशैली का अंग रहा है, इन वर्षों में हमारी यह संस्कृति लुप्त हो रही है, जो गौरैया के विलुप्त होने का बड़ा कारण है।

बर्फीले रेगिस्तान में रचनात्मक कुदरती ऊर्जा के प्रकाश पुंज

अरुण नैथानी

रक्त जमाती लद्दाख की ठंड के बीच लोगों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार करने वाले सोनम वांगचुक सुर्खियों के सरताज रहे हैं। इंजीनियरिंग करने के बावजूद उन्होंने अपना जीवन लद्दाख में लोगों के सुखमय रहने में लगाया। शिक्षा में नए प्रयोग करके उसे व्यावहारिक जीवन से जोड़ा। हिमालयी जीवन को अक्षुण्ण बनाने के लिये आंदोलनरत रहे। बीते साल वे लंबे अनशन पर रहे। वो बात अलग है कि नई पीढ़ी उन्हें उनके जीवन पर बनी बहुचर्चित फिल्म थ्री इडियट के रैंचो के रूप में याद करती है।

लेह की रक्त जमाती सर्दी में लोकतांत्रिक संस्थाओं व पर्यावरणीय सरोकारों को ऊर्जा देने वाले सोनम वांगचुक किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वे लगातार बीमार होते प्लेनेट की स्वास्थ्य बहाली के लिये डॉक्टर की भूमिका में हैं। मूल रूप से इंजीनियर सोनम तकनीक के विरोधी नहीं हैं। लेकिन वे चाहते हैं कि पहाड़ों की प्रकृति के अनुरूप तकनीक का उपयोग हो, हम पहाड़ों में प्रदूषण कम करें। वे मानते हैं कि प्रकृति के अनुकूल व्यवहार से इस ग्रह की बड़ी सेवा हो सकती है।समाज की सेवा की दृष्टि से भी यह महत्वपूर्ण कदम होगा। उनका मानना है कि प्रकृति सबसे बड़ी शिक्षक है, जिससे हमें हर पल सीखना चाहिए। जिसके लिये हमें पहाड़ों का परिदृश्य महसूस करना चाहिए। हमें कृत्रिम इंटेलिजेंस के बजाय नेचुरल इंटेलिजेंस की ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए। सोनम मानते हैं कि पहाड़ों की जटिल परिस्थितियों में हमें अपने पुरखों के अनुभव विशेषज्ञता का लाभ उठाना चाहिए। वे 'हील द प्लेनेट, हील द पीपुल' विचारधारा के पक्षधर हैं। दरअसल, उनका मानना है यदि हमारी धरती स्वस्थ रहेगी तो लोग स्वस्थ रहेंगे। इसके लिये तकनीक का यूज आम लोगों के लिए उपयोगी व क्षमता के अनुरूप होना चाहिए।जब आप लद्दाख में होंगे तो पिक्चर स्टोरी सब कुछ बयां कर देगी। आप महसूस करेंगे कि वास्तव में क्या हो रहा है पर्यावरणीय दृष्टि से और इकॉलॉजी के नजरिये से भी। सवाल यह है कि कैसे हम मिलकर प्लेनेट को हील कर सकते हैं। खासकर हाई हिमालय रीजन में। यह इलाका न केवल शेष देश से बल्कि पूरे ग्रह से भी अलग है। हर तरह से अलग है, संदर्भ में और परिवेश में भी। लद्दाख टॉप नार्थ में स्थित है। ये ट्रांस हिमालयन क्षेत्र है। ये अलग है हिमालय के हृदय में, शेष कश्मीर, शिमला, दार्जिलिंग, मसूरी आदि से। संपूर्ण ट्रांस हिमालय में अलग तरह की प्रकृति है। यह चिंता की बात है कि अतिरेक मानवीय गतिविधियों से धरती की स्थिति बेहद खराब हुई है। हिमालयी इलाकों में भी गर्मी के दौरान तापमान 35 डिग्री तक पहुंचता है और जाड़ों में शीत लहर चलती है। यानी गर्मी में झुलसाती लू तो ठंड में रक्त जमाती सर्दी।हिमालय बैरियर है मानसून के बादलों का। लद्दाख आकाश में रेगिस्तान जैसा है। महज चार इंच बारिश होती है। ये इलाका हाई एंड ड्राइ है। इसके बावजूद लोग संसाधनों से संपन्न हैं। सदियों के अनुभव से ग्रीन पेचेज बनाए गए हैं, ग्रीन आइलैंड जैसे। जिसे हमारे पूर्वजों ने बनाया। शेष भारत व दुनिया में मानव ने प्रकृति पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। लेकिन हमारे बर्फीले रेगिस्तान में वन नहीं हैं, पानी नहीं है। हजारों साल तक पर जल स्रोत तलाशे हैं। लद्दाख के पहाड़ों पर पानी तलाशा गया है फोसलाइज वाटर के रूप में। ग्लेशियर यहां के लोगों की जीवन रेखा है। हजारों साल पहले पूर्वजों ने पिघलते ग्लेशियरों से पानी के रिसाव को तलाशा था। लोगों ने इस पानी का जीवन यापन के लिये इस्तेमाल किया। आज यहां ग्लेशियर के रिसाव से मिले पानी से सेब,आड़ू, पलम, अंगूर आदि फल पैदा किए जा रहे हैं। इसी तरह मटर, गोभी, आलू आदि सब्जियां। जो यहां के लोगों के जीवन यापन का साधन बना है।सोनम वांगचुक के मुताबिक, हमें गर्व है कि हमारे पूर्वजों ने प्रकृति की कठिनता के बावजूद जीवन की संभावनाओं को पैदा किया है। इस इलाके में जीवन ही नहीं, एक समृद्ध संस्कृति विकसित की है। मैं बचपन में इसी प्रकृति व पूर्वजों के अनुभवों से सीख कर बड़ा हुआ। मैं एक असामान्य छात्र था। मैंने नौ वर्ष में अपने गांव में स्कूली शिक्षा शुरू की।मैंने लोगों, किसानों,जानवरों पेड़-पौधों व इंडस नदी से सीखा। बचपन की जिज्ञासाएं शांत की। मैं किस्मत वाला था। विडंबना है कि परंपरागत स्कूलों में बच्चों को स्कूल में याद करना, रटना, चैटिंग तो सिखायी जाती है। लेकिन जीवन का व्यावहारिक ज्ञान स्कूल एजुकेशन का पार्ट नहीं होता। मेरा मानना है कि स्कूली शिक्षा जीवन की हकीकत से जुड़ी होनी चाहिए। विडंबना है हमारा सुंदर परिवेश बदल रहा है। परिस्थितियां अधिक कठोर बन रही हैं। ग्लोबल वार्मिंग से लाइफ लाइन संकुचित हो रही है। न केवल सूखा बढ़ रहा बल्कि मीठा पानी कम हो रहा है। धीरे-धीरे ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं। तेजी से पिघल रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से मानसून क्लाउड हाई राइज कर रहे हैं। हिमालय पर्वत श्रृंखला से ऊपर जा रहे हैं। इनके ऊंचाइयों पर जाने से क्लाउड ब्रस्ट की स्थितियां बन रही हैं। जहां पानी नहीं वहां फ्लड की स्थिति बन रही। फ्लैश फ्लड नया संकट है। दुनिया में साउथ व नॉर्थ के बाद हिमालय को थर्ड पोल कहा जाता है। करीब 50 हजार ग्लेशियर हैं यहां। मीठे पानी का सबसे बड़ा खजाना रहा है। धीरे-धीरे पानी कम हो रहा। ग्लेशियर गायब हो रहे हैं। इन ग्लेशियरों से मिलने वाले पानी पर हिमालयी परिधि में बसे देशों की दो बिलियन आबादी डायरेक्ट-इंडायरेक्ट रूप से निर्भर है। लेकिन ये धीरे-धीरे सिकुड़ रहे हैं।वैश्विक तापमान बढ़ने से ग्लेशियर पिघल रहे हैं। जिससे हिमालयी क्षेत्रों में बड़ी झीलें बनती हैं। ज्यादा पानी होने पर फटती हैं। जिससे अचानक बाढ़ आती है। पिछले वर्ष हमने सिक्किम में इस तरह की त्रासदी को देखा है। तमाम संरचनात्मक क्षति हुई और बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। जिसके लिये कुछ लोग ही दोषी नहीं हैं। ये ग्लोबली हो रहा। देश के विभिन्न शहरों, मसलन जम्मू, दिल्ली, पटना, लखनऊ में वाहनों व जीवन यापन के साधनों का जो ब्लैक कार्बन उत्पन्न हो रहा है, वह हवा के साथ पहुंचकर ग्लेशियरों को काला कर रहा है। काला रंग सूरज को आकर्षित करता है। वे ज्यादा तेजी से गलते हैं। जिसके बाद फ्लैश फ्लड की स्थितियां बनती हैं। आधे घंटे में तेज पानी के साथ बाढ़ आ जाती है।मुझे याद है लद्दाख में 2006 की बाढ़ में कई गांव बह गए थे। वॉलंटियर बनकर गया था तो महसूस किया कि कितनी बड़ी समस्या है। एक अस्सी साल के बुजुर्ग से पूछा कि लद्दाख में पहले बाढ़ कब देखी है उसने कहा- देखी नहीं मगर सुना था। पहले बाढ़ 2006 में आई। फिर 2010 की बाढ़ की तबाही में शहर से एक हजार लोग सरकारी सूचना के अनुसार लापता थे, गैर सरकारी तौर पर संख्या ज्यादा हो सकती है। फिर वर्ष 2013 व 2017 में छोटी अन्य बाढ़ आई। हमारा ग्रह स्वस्थ नहीं। हमें प्लेनेट को सुधारना है। मैंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री ली और वापस लद्दाख लौट आया। मेरे सहपाठी नौकरी की तलाश में सिलिकन वैली व बैंगलूरू जा रहे थे। मैंने इस इलाके की शिक्षा में बदलाव को लक्ष्य चुना। शिक्षा का मतबल कैरियर व जीवन की समृद्धि का साधन मान लिया गया। लेकिन वास्तव में इको हॉरमनी वक्त की जरूरत है। हमने व्यावहारिक जीवन की शिक्षा देने वाला स्कूल खोला। क्लाइमेट चेंज के प्रभाव के अध्ययन को भी लक्ष्य बनाया गया। बच्चों को अपने परिवेश को बचाने के लिये सिखाने का प्रयास किया गया। पहाड़ों में जीवन बचाने की जिम्मेदारी का अहसास कराया। एक स्कूल विकसित किया जो कार्बन न्यूटरल साबित हो। प्राकृतिक संसाधनों मिट्टी,पानी,हवा व सूरज की रोशनी का इस्तेमाल किया। और फिर जादू हो गया। दुनिया के ठंडे से ठंडे इलाके में मड व सूर्य की ऊर्जा से उष्मारोधी स्कूल बना। सोलर डिवाइस का उपयोग किया। सूरज की ऊर्जा भवन को गर्म करती है।कंप्यूटर व अन्य उपकरण सोलर ऊर्जा से चलते हैं। सुधार किया कि शिक्षा को कैसे व्यावहारिक बनाया जाए। यहां बच्चे किताबों से ज्यादा प्रकृति से सीखते हैं। यहां किताबें जीवन की हकीकत पढ़ाती हैं। कुकिंग, पानी की आपूर्ति व तापमान नियंत्रण सौर ऊर्जा से किया गया। यहां तक कि गाय के लिये सोलर हिटेड गोशाला बनायी गई।भौतिकी के सिद्धांतों से रेडिएशन को नियंत्रित किया गया। ब्लैक दीवारों को तापमान अनुकूल बनाया गया। रात को जब ठंड बढ़ जाती है तो दीवारें गर्म रहती हैं। माइनस 15 तापमान में भी नो फायर, नो स्मोक और नो पावर बिल। जाड़ों में ठंडी रहती हैं। इस तकनीक का उपयोग अन्य लोगों के लिए भी किया। इसी तर्ज पर सेना के जवानों के लिये वातानुकूल घर बनाये। यहां जवान गर्म इलाकों से आते हैं। सीमा पर रहने वाले जवानों के लिये स्मोक फ्री, फायर फ्री शेल्टर बनाये गए। इससे जहां जवानों की दुर्घटनाएं टली, वहीं मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन रुका। सेना के जवानों को ठंड अनुकूल ढालने को भारी मात्रा में ईंधन खर्च किया जाता रहा। भारत की तरफ ही नहीं, चीन व पाक की ओर भी। इन बचे ऊर्जा संसाधनों का उपयोग अन्य कार्यों में किया गया। इस तरह सोलर-हिटेड शेल्टर बहुत उपयोगी साबित हुए। दरअसल, वक्त के साथ एजुकेशन के मायने बदल गए। हम लोगों ने सोच लिया कि शिक्षा का मकसद सिर्फ आर्थिक समृद्धि के लिये जीविका का उपार्जन करना है। वास्तव में इकॉलाजिकल हारमोनी भी उतनी ही जरूरी है। यंग पीपुल को ये सिखाकर पर्यावरण संकट के समाधान निकाले जा सकते हैं। हमारी कोशिशों के अच्छे परिणाम भी आए हैं। ग्लेशियर पिघल रहे हैं। पूरा ट्रांस हिमालयन क्षेत्र संकटग्रस्त है। दरअसल, शिक्षा से जीवन की व्यावहारिक समस्याओं के समाधान तलाशना। सोलर हिटेड मकान का आविष्कार इसका उदाहरण है।

साभार (लेख के अंश)

अतिरिक्त प्रयास से नकारात्मक गुणों पर विजय प्राप्त करें

स्वामी शिवानंद सरस्वती

क्या आपने कभी मानव जीवन के महत्व और महिमा को समझा है? और आपने कभी महसूस किया है कि यह जीवन कितना अनमोल उपहार है? क्या आपको ऐसा नहीं लगता कि जीवन एक उत्कृष्ट उद्देश्य की पूर्ति के लिए है? वास्तव में इसका उद्देश्य चिरस्थायी शांति और खुशी की प्राप्ति के लिए है। आप भी इस बात को भली-भांति जानते हैं कि जीवन केवल सांस लेना, खाना, पचाना, सोना भर नहीं है, बल्कि जीवन में कुछ सार्थक हासिल भी करना है। आप जीवन को अच्छी तरह से तब जीते हैं, जब आप मन का संतुलन और उच्चतम आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त करने के साथ-साथ मानवता के कल्याण के लिए प्रयास करते हैं। कुछ लोग जीवन को इस तरह परिभाषित करते हैं कि किसी व्यक्ति के पास खाने को टोस्ट, मक्खन और जैम, पहनने को फैशनेबल कपड़े, रहने को एक बंगला और घूमने के लिए एक मोटर कार तो होनी ही चाहिए।यह सब मिल भी गया, तो उसके बाद क्या? क्या केवल भौतिक सुख-सुविधाएं ही आपको वास्तविक सुख दे सकती हैं? केवल भौतिक सुख-सुविधाएं ही क्या आत्म को उन्नत कर सकती हैं? क्या केवल भौतिक सुख-सुविधाएं ही आपको साहस, शांति और आनंद प्रदान कर सकती हैं? निरंतर ध्यान भटकाने वाली इच्छाओं के चक्कर में जीवन के वास्तविक लक्ष्य को कभी नहीं भूलना चाहिए। अवास्तविक को वास्तविक, क्षणभंगुर को स्थायी समझने की भूल करना तथा जीवन के सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य आत्म-साक्षात्कार को भूल जाने से बड़ी कोई भूल नहीं है। इससे बड़ी त्रासदी क्या हो सकती है कि कोई इन्सान किसी कार्य को करने के लिए एक ही प्रयास करता है, अगर वह काम हो गया, तो ठीक और नहीं हुआ, तो वह संतुष्ट हो जाता है। वह अतिरिक्त प्रयास करना भूल गया है। आपने कभी सोचा है कि जब आप बच्चे थे, तब आप असहाय थे। अगर आपको बीमारी घेर लेती है और आप गंभीर रूप से बीमार होते हैं, तब भी आप असहाय ही होते हैं। जब बाढ़, भूकंप और चक्रवात जैसी आपदाएं आप पर टूट पड़ती हैं, उस वक्त भी आप असहाय ही होते हैं। जब आप बूढ़े हो जाते हैं, तब भी आप असहाय ही होते हैं। फिर आप इतने घमंडी और अहंकारी क्यों हो गए हैं? अपने भ्रमों से ऊपर उठकर विवेक, आत्म-विश्लेषण के माध्यम से अच्छाई प्राप्त करने का हरसंभव प्रयास ही जीवन को सही दिशा देगा। तभी आप अपने शरीर और मन से परे जा पाओगे, तभी मुक्त और खुश रह पाओगे। सत्य को साथी मानें और अच्छाई के मूल सिद्धांतों से विचलित न हों। परिश्रम और सावधानी से हृदय के श्रेष्ठ गुणों को विकसित करें। साहस, दृढ़ विश्वास और सामान्य ज्ञान के साथ सच्चाई से अपना जीवन जिएं। समाज में कितने लोग आपसे डरते हैं, यह असली वीरता और साहस नहीं है, बल्कि मन और इंद्रियों पर नियंत्रण कर अहंकार पर काबू पाना असली वीरता है। पूर्वाग्रह से पैदा हुए सभी भेद और मतभेदों को त्याग दें। सभी से प्यार करें। भाईचारे की भावना से सभी सहयोग करें और अपने दिल में करुणा की ज्योति जलाएं।

सूत्र- जीवन का हर पल जिएं

नकारात्मक गुणों पर विजय प्राप्त करें और अपने मधुर मूल घर, शाश्वत शांति और आनंद के निवास पर लौटें। परिश्रमपूर्वक संघर्ष करके और व्यावहारिक अच्छाई के जीवन के माध्यम से, जिसे योग कहा जाता है, इसी जीवन में आध्यात्मिक पूर्णता प्राप्त करें। ऐसे जीवन का हर पल जिएं।

मारवाड़ी समाज की महिलाएं धूमधाम से मना रही गणगौर उत्सव

सिवनी मालवा। सीताराम मंदिर में मारवाड़ी समाज की महिलाओं द्वारा 16 दिवसीय गणगौर उत्सव बड़े धूमधाम और उत्साह से शुरू हुआ। मारवाड़ी समाज की सदस्य नीरू राठी ने बताया प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी मारवाड़ी समाज की महिलाओं द्वारा गणगौर उत्सव पर कलश सजाकर पाती खेली जा रही है। कलश में जल भरकर उसे फुलो और पत्तियों से सजाया जाता है गुलाल और भोडल लगाकर कलश की पूजा की जाती है गणगौर के गीत गाए जाते हैं एवं गीतों पर नृत्य किया जाता है। महिलाओं द्वारा कलश को मंदिर में लाया जाता है तत्पश्चात ईशरजी एवं गौराजी को दोहे के साथ अपने अपने पति का नाम लेकर सभी महिलाएं पानी पिलाती है ज्वारे के गीत गाए जाते हैं एवं पूजा अर्चना कर आरती की जाती है। मारवाड़ी समाज की महिलाओं द्वारा शीतला सप्तमी से पाती खेलना शुरू हो जाती है प्रतिदिन मारवाड़ी समाज की महिलाओं द्वारा अलग-अलग स्थानो पर कलश सजाकर ले जाते हैं वहां झाले वाले लेकर पाती खेली जाती है। इस दौरान प्रतिदिन महिलाओं द्वारा किसी ना किसी की तरफ से पार्टी दी जाती है मारवाड़ी समाज की महिलाओं में माहेश्वरी समाज ब्राह्मण समाज अग्रवाल समाज खंडेलवाल समाज जैन समाज सहित सकल मारवाड़ी समाज की महिलाएं उपस्थित थी।

वार्ड 21 में कई वर्षों बाद बन रही रोड, नपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

- सडक पर पानी न रुके, इसके लिए नपाध्यक्ष ने दिए इंजीनियर को निर्देश
- नपाध्यक्ष ने जनता से कहा गुणवत्ता की जांच करें, बडे वाहन सडक पर से न लेकर जाएं

इटारसी, दोपहर मेट्रो

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने दोपहर में वार्ड क्रमांक 21 में सडक निर्माण का निरीक्षण किया। यहां कई वर्षों बाद सडक का निर्माण हो रहा है, जिससे यहां के नागरिक बेहद प्रसन्न हैं। आज जब नपाध्यक्ष यहां निरीक्षण करने पहुंचे तो उनको सभी ने धन्यवाद दिया।

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि यहां 140 मीटर लंबी रोड बन रही है, नागरिकों की विशेषकर बहनों की काफी समय से यह मांग थी, उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान उपयंत्री मुकेश जैन व टाइम कीपर राजेश दीक्षित मौजूद थे। श्री चौरे ने बताया कि उपयंत्री को निर्देश दिए हैं कि सडक पर पानी न रुके इसके लिए ढलान नाली तरफ दें, जहां दोनों तरफ नाली है वहां दोनों तरफ ढलान हो और जहां एक तरफ नाली हो, वहां नाली की ओर ढलान दिया जाए।

नपाध्यक्ष श्री चौरे ने कहा कि नागरिकों से कहा कि वे गुणवत्ता की जांच करते रहें, कहीं कोई कमी नजर आती है तो उन्हें सूचना दें और सडक की तराई का ध्यान रखें। बडे वाहन सडकों पर न लेकर जाएं।

सोहागपुर में 9 करोड़ के सिविल अस्पताल एवं उप स्वास्थ्य केंद्र का मंत्री ने किया भूमिपूजन

सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को नागरिकों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : पटैल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सोहागपुर में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटैल द्वारा 9 करोड़ 19 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल तथा ग्राम सोनपुर में 65 लाख रुपये की लागत से बनने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र का भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शासकीय अस्पताल सोहागपुर प्रांगण में किया गया। भूमिपूजन कार्यक्रम में लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी एवं राज्यसभा सांसद माया नारोलिया शामिल रहे।

राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटैल ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की सरकार बेहतरीन एवं उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदेश के हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस वर्ष प्रदेश के आम बजट में से लगभग 22 हज़ार करोड़ रुपए केवल स्वास्थ्य सेवाओं के लिए निश्चित किया गया है। पटेल ने कहा कि केंद्र सरकार एवं प्रधानमंत्री का लक्ष्य है की 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित किया जाए। इसके लिए स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाए जाने के लिए उनके द्वारा आयुष्मान भारत योजना प्रारंभ की गई तथा देश के विभिन्न स्थानों में आयुष्मान मंदिर भी स्थापित किए गए हैं। इस दौरान उन्होंने सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह उनकी सक्रियता का ही प्रतिफल है कि क्षेत्र को पूर्व में उप स्वास्थ्य केंद्रों एवं वर्तमान में सिविल अस्पताल तथा अन्य सुविधाएं निरंतर प्राप्त हो रही है। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में 30 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं और 12 और मेडिकल कॉलेजों को पीपीपी मोड पर खोलने की योजना है। सरकार का लक्ष्य है कि भविष्य में प्रदेश में 50 से अधिक मेडिकल कॉलेज संचालित किए जाएं ताकि राज्य को अधिक प्रशिक्षित डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी मिल सकें। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम के दौरान सोनपुर के उप स्वास्थ्य केंद्र का भूमि पूजन भी किया गया है जिसमें एएनएम एवं सीएचओ के केंद्र पर ही निवास की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम के दौरान मंच के माध्यम से मंत्री पटेल ने कहा कि शासन की व्यवस्थाओं को और अधिक सुगम एवं सुचारू बनाने के लिए समाज के लोगों को भी योगदान देना चाहिए, उन्होंने कहा कि मंत्री, विधायक, सांसद भी समाज के ही घटक हैं।

लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कार्यक्रम के दौरान अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार का काम है स्वास्थ्य सुविधाओं को हर नागरिक तक पहुंचाया जाए, इसलिए आज सोहागपुर में यह 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल की सौगात मिली है जिसका भूमि पूजन मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल द्वारा किया गया। लेकिन मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि अस्पताल के एक भी बिस्तर कभी भी ना भरे, सभी लोग निरोगी रहें तथा स्वस्थ रहें। उन्होंने बताया कि हमारे स्वास्थ्य सेवाओं की ताकत कोविद कल के समय भी देखी गई है। जहां हमारे स्वास्थ्य अमले ने महामारी का डट कर सामना करा, तथा यह हमारे प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच का ही उदाहरण है कि देश में कोविड वैक्सीन को बनाया गया एवं उसे निशुल्क आम लोगों तक पहुंचाई गई।

सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार सतत विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। इसी कड़ी में आज सोहागपुर को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सर्वसुविधायुक्त सिविल अस्पताल की सौगात मिली है। इस अस्पताल में ब्लड बैंक, लैब, स्वास्थ्य कर्मचारियों के ठहरने की व्यवस्था सहित कई अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

ओलंम्पियाड परीक्षा में काला पठार के छात्र जिला टॉपर

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

जिला स्तरीय ओलंम्पियाड परीक्षा में काला पठार के दो छात्र अब्बल रहे। जानकारी देते हुए शाला प्रभारी प्रथ्वी सिंह रघुवंशी ने बताया कि छात्र यशपाल अहिरवार कक्षा 3 ने अग्रेंजी मे जिला टाप किया है वहीं कक्षा 4 की छात्रा मोहिनी अहिरवार हिंदी की टापर बनी छात्रों को बैग, ड्रेस ,पानी बाटल ,कम्पास, कैप शील्ड, प्रमाणपत्र आदि मुकेश टंडन विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष,सीईओ जिला पंचायत, जिला शिक्षाधिकारी,डीपीसी द्वारा प्रदान किए गये कर्मचारी शिक्षक नेताओ ने एक स्वर मे शाला प्रभारी प्रथ्वी सिंह रघुवंशी एबं कालापठार के समस्त शिक्षको को बधाई देते हुए कहा कि निश्चित ही कालापठार एक उत्कृष्ट सर्व सुविधायुक्त शाला है शाला प्रभारी एवं शिक्षकों द्वारा जिस लगन मेहनत से छात्रों के भविष्य निर्माण एवं शैक्षणिक गुणबत्ता हेतू जो प्रयास किए जा रहे वह सराहनीय है। यदि सभी शालाएं। कालापठार जैसी हो जाएं तो लोगो की यह भ्रांति टूट जायेगी की शासकीय शालाओ मे पढाई नही होती।

229 माध्यमिक शिक्षकों को नहीं मिला फरवरी का वेतन, फीकी रही होली, कमिश्नर-कलेक्टर तक पहुंचा मामला

नर्मदापुरम। जिले के करीब 229 माध्यमिक शिक्षकों को फरवरी माह का वेतन नहीं मिलने का मामला सामने आया है। इस विषय को लेकर शासकीय शिक्षक संगठन मप्र के संभागीय अध्यक्ष राजेश पांडे द्वारा हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन आयुक्त नर्मदापुरम ,कलेक्टर ,संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, जिला शिक्षा अधिकारी सहित जिला कोषाधिकारी के नाम सौंपा गया है। इसके विपरीत सभी ब्लॉकों में होली त्यौहार के पूर्व भुगतान किया जा चुका है। विकासखंड कार्यालय (शिक्षा) माखन नगर एवं जिला कोषालय अधिकारी से दूरसंचार पर संपर्क किया गया तो उनके द्वारा भुगतान वित्त विभाग के आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर में तकनीकी समस्या उत्पन्न होना बताया जा रहा है।

दोषी किन्नरों पर कठोर कार्रवाई के लिए विश्वकर्मा समाज ने सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

विश्वकर्मा समाज समिति द्वारा विश्वकर्मा धर्मशाला से पैदल रैली के रूप नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचे जहां पर एक ज्ञापन प्रधानमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी को सौपा गया। जिसमें मांग की है कि विदिशा निवासी आदर्श विश्वकर्मा को गोंडवाना एक्सप्रेस में किन्नरों द्वारा हत्या कर शव को ट्रेन से फेंक दिया गया था। ऐसे किन्नर दोषियों पर कठोर से कठोर कार्रवाई कर फांसी की सजा दी जाए।

एवं पीड़ित परिवार को शासन से सहायता राशि दिलवाने हेतु ओर परिवार के एक सदस्य को रेलवे में नौकरी देने हेतु ज्ञापन में मांग की गई। एवं पत्रकार बंधुओ से चर्चा के दौरान संकल्प लिया गया। कि किन्नर समाज के अध्यक्ष या धर्मगुरू है विदिशा एवं गंजबासौदा के वह इन ट्रेन में चलने वाले किन्नरों के खिलाफ ज्ञापन दें एवं कार्यवाही की मांग करें।

अगर ऐसा नहीं करते तो विश्वकर्मा समाज किन्नर समाज का बहिष्कार करेगा। एवं त्यौहार पावन शादी विवाह में जो बधाई लेने आते हैं उनका भी बहिष्कार करेगा। ज्ञापन में सैकड़ों समाज बंधु उपस्थित रहे।

पचमढ़ी में तीन दिवसीय संपदा समारोह

जनजातीय नृत्यों के साथ-साथ अन्य राज्यों के नृत्य लीला, नाट्य और प्रदर्शनी का संयोजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पारम्परिक कलाओं का समारोह सम्पदा का आयोजन 21 से 23 मार्च 2025 सायं 6.30 बजे से ओल्ड होटल ग्राउण्ड- पचमढ़ी में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में 22 मार्च 2025 को मध्यप्रदेश के बैगा और गोण्ड गुजरात की राठ, तेलंगाना की गोण्डकोया, महाराष्ट्र की धनगर और उड़ीसा की कंध जनजातियों के नृत्य के साथ भक्तिमती शबरीः लीला नाट्य / प्रदर्शनी का संयोजन किया गया। इस प्रस्तुति का निर्देशन संजय गर्ग, जबलपुर द्वारा किया गया है। साथ ही समारोह में भक्तिमति शबरी, निषादराज गुह्य एवं वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवन ओर अवदान केंद्रित प्रदर्शनी का संयोजन किया गया है। समारोह में निदेशक, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी डॉ. धर्मेंद्र पारे एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

गतिविधि में पद्मश्री अर्जुन सिंह धुर्वे द्वारा बैगा जनजातीय नृत्य घोड़ी पैठाई / परघौनी नृत्य की प्रस्तुति दी गई। बैगा समुदाय के द्वारा विभिन्न अवसरों पर करमा, दशहरा, बिलमा, परघौनी, घोड़ी पैठाई जैसे नृत्य किये जाते हैं। दशहरे के अवसर पर विशेष रूप से घोड़ी पैठाई नृत्य किया जाता है। 'परघौनी नृत्य' विवाह के अवसर पर बारात की अगवानी के समय किया जाता है। इसी अवसर पर वर पक्ष की ओर से आँगन में हाथी बनाकर नचाया जाता है,जो यह संकेत करता है कि इसमें प्रसन्नता की अभिव्यक्ति ही मुख्य ध्येय है, लालित्य की चेष्टा गौण।

प्रस्तुति के अगले क्रम में बनसिंह भाई राठवा एवं साथी, गुजरात द्वारा राठ नृत्य की प्रस्तुति दी। राठवा गुजरात की एक प्रमुख जनजाति है। मध्यप्रदेश की सीमा से लगे गुजरात क्षेत्र में राठवा बहुतायत से निवास करते हैं। राठवा मुख्यतः मध्यप्रदेश में भील जनजाति की उपजाति है। गुजरात में भी भील एवं राठवा जनजाति निवास करती हैं। राठवा जनजाति में विभिन्न पर्व-त्योहारों, अनुष्ठानों एवं अन्य खुशियों के अवसरों पर नृत्य की समृद्ध परम्परा है। राठवा जनजाति का नृत्य भील जनजाति नृत्य से ज्यादा पृथक तो नहीं है, परन्तु राठवा जनजाति के नृत्य में गति अधिक है। लय एवं ताल के समन्वय में भी गुजरात की छवि को महसूस किया जा सकता है। समारोह में महाराष्ट्र के कलाकारों द्वारा धनगरीगजा नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

इसके बाद काथले श्रीधर एवं साथी, तेलंगाना द्वारा गोण्डकोया जनजाति का कोम्मूकोया नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कोम्मू का अर्थ है 'सींग' और 'कोया' जनजाति को संदर्भित करता है। कोया समुदाय में भूमि पंडगा का त्योहार मनाया जाता है, जिसमें इस नृत्य के माध्यम से बारिश और अच्छी फसल के लिये ईश्वर की आराधना की जाती है।

इसके बाद अज्जू सिंह एवं साथी, डिण्डोरी द्वारा गोण्ड जनजातीय करमा सैला नृत्य की प्रस्तुति दी गई। सुदूर छत्तीसगढ़ से लगाकर मंडला के गोंड और बैगा जनजातियों तक इसका विस्तार मिलता है। सैला नृत्य शरद ऋतु की चाँदनी रातों में किया जाता है। हाथों में लगभग सवा हाथ के डंडे के कारण इसका नाम सैला पड़ा। आदिदेव को प्रसन्न करने के लिए सैला नृत्य का प्रचलन है। कहते हैं सरगुजा की रानी से अप्रसन्न होकर आदिदेव बधेसुर अमरकंटक चले गये थे, वहाँ के बाँसों को काटकर इस नृत्य का प्रचलन हुआ। करमा-सैला गोंड जनजाति का लोकप्रिय नृत्य है।

वहीं समारोह में श्री अविनाश धुर्वे एवं साथी, बैतूल द्वारा ठाट्या नृत्य की प्रस्तुति दी गई। जनजातीय नृत्यों की विलुप्त होती परम्पराओं के बीच आज भी जो जनजाति अपनी नई पीढ़ी में भी इन बिरवों को सतत् रूप से रोप रही है, वह ठाट्या है। ठाठ अर्थात् वैभव। चरवाही संस्कृति का आल्हाद। सघन वनों के बीच प्रकृति संग नृत्य। ठाट्या विभिन्न मंगल अवसरों पर नृत्य करते हैं। श्री वासुदेव एवं साथी, उड़ीसा द्वारा गुड़का, ठप नृत्यों की प्रस्तुति दी गई।

अगले क्रम में प्रस्तुति भक्तिमती शबरी की दी गई। जिसका निर्देशन श्री संजय गर्ग, जबलपुर द्वारा किया गया। लीला नाट्य भक्तिमति शबरी कथा में बताया कि पिछले जन्म में माता शबरी एक रानी थीं, जो भक्ति करना चाहती थीं लेकिन माता शबरी को राजा भक्ति करने से मना कर देते हैं। तब शबरी मां गंगा से अगले जन्म भक्ति करने की बात कहकर गंगा में डूब कर अपने प्राण त्याग देती हैं। अगले दृश्य में शबरी का दूसरा जन्म होता है और गंगा किनारे गिरि वन में बसे भील समुदाय को शबरी गंगा से मिलती हैं। भील समुदाय़ शबरी का लालन-पालन करते हैं

30 एवं 31 मार्च को पुस्तक एवं गणवेश मेले के साथ होगा केरियर काउंसलिंग का आयोजन

नर्मदापुरम। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार पुस्तक एवं गणवेश मेले का आयोजन 30 एवं 31 मार्च 2025 को शासकीय नर्मदा महाविद्यालय, नर्मदापुरम के ऑडिटोरियम में किया जाएगा। इस मेले के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, जिसमें करियर मार्गदर्शन की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। करियर काउंसलिंग सत्र का संचालन पूर्व प्रशिक्षित करियर काउंसलिंग मास्टर ट्रेनर एवं नर्मदापुरम के शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों में नियुक्त करियर काउंसलर द्वारा किया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को कक्षा 10वीं के बाद विषय चयन, कक्षा 12वीं के बाद उच्च शिक्षा एवं व्यावसायिक कोर्स, NEET, JEE, IIT, CLAT, नर्सिंग एवं अन्य व्यावसायिक शिक्षा की तैयारी और रोजगार के अवसरों से अवगत कराया जाएगा। मेले में करियर काउंसलिंग स्थल पर प्रत्येक स्कूल के प्राचार्य द्वारा अपने विद्यालय का फ्लेक्स लगाया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को उनके विद्यालय की करियर काउंसलिंग सुविधाओं की जानकारी मिल सके। इसके साथ ही, यूनिलर्न पोर्टल के माध्यम से करियर काउंसलिंग प्रक्रिया को समझाया जाएगा। इस पूरे आयोजन के नोडल अधिकारी एडीपीसी श्री राजेश गुप्ता होंगे, जबकि प्राचार्य श्री विक्रम कुमार नरवरिया इस कार्यक्रम के प्रमुख समन्वयक रहेंगे।

इटारसी एसडीएम ने विस्थापित ग्राम में रबी फसल पंजीयन शिविर का किया निरीक्षण, पेयजल व राजस्व संबंधी निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दिये गये निर्देशों के पालन में इटारसी एसडीएम टी. प्रतीक राव ने आज तहसीलदार, नायब तहसीलदार इटारसी, सीईओ केसला, वन रक्षक के साथ ग्राम नया पोडार (विस्थापित ग्राम) में रबी फसल पंजीयन शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गेहूं एवं चने की फसल के पंजीयन से जुड़े किसानों एवं ग्रामीणों से चर्चा की और उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान गर्मी में पेयजल संकट को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, वन ग्राम से राजस्व ग्राम संपरिवर्तन के तहत हिरण चापड़ा में जीटी कार्य में आ रही समस्याओं का परीक्षण किया। एसडीएम ने तहसीलदार, नायब तहसीलदार इटारसी, सीईओ केसला/नर्मदापुरम, सीएमओ इटारसी एवं एसडीओ पीएचई को निर्देशित किया कि गर्मी के दौरान पेयजल संकट से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

पुलिस महानिदेशक स्व. शर्मा को दी श्रद्धांजलि

सिवनी मालवा। नगर में ही नही संपूर्ण भारतवर्ष के गौरव पुलिस महानिदेशक रेल श्री मनीष शंकर जी शर्मा के दुखद निधन पर आज पालीवाल समाज सिवनी मालवा के द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया। आप को बता दें कि बीते दिनों मध्य प्रदेश के विशेष पुलिस महानिदेशक (रेल) मनीष शंकर शर्मा का निधन हो गया.था वे 58 वर्ष के थे. पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि वे 1992 बैच के श्री शर्मा आईपीएस अधिकारी थे। जिनका रविवार देर रात दिल्ली में हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई थी, जहां वे रेगुलर हेल्थ चेकअप के लिए गए थे. शर्मा के निधन से पुलिस और प्रशासनिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गयी । आज सभी सजातीय बंधुओ ने शनिवार को दोपहर 3 बजे पालीवाल होंडा शोरूम गीता टॉकीज पर उपस्थित होकर श्रद्धांजलि प्रदान कर दिवंगत आत्मा को शांति की प्रार्थना की।

नरवाई जलाने वालों के खिलाफ होगी दण्डात्मक कार्यवाही

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा खेतों में खडी नरवाई में आग लगाने वालो के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही होगी। नरवाई में आग लगाने से जनधन के साथ-साथ शासकीय परिसम्पत्ति ओर वन संपदा की भी क्षति होने का खतरा बना रहता है।

मानव जीवन की सुरक्षा एवं परिशांति बनाए रखने को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रौशन कुमार सिंह ने धारा-144 के तहत आदेश जारी कर सभी उपखण्ड मजिस्ट्रेट, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तथा कृषि विभाग के अधिकारियों को जारी आदेश का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश प्रसारित किए है। आदेश में कहा गया है कि नरवाई काटने हेतु रीपर वाईपर का और अग्निशामक यंत्र का अग्नि विस्तार रोकने के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए।

जिले के कृषकों से कहा गया है कि गेहूं की फसल कटाई के लिए हार्वेस्टर एवं रीपर वाइन्डर का उपयोग करने के पश्चात् थ्रेसिंग करते समय जो भूसा निकला जाता है उसके आसपास अग्निशामक यंत्रों को अनिवार्यत रखे।

जारी आदेश की सूचना सभी ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार की जाए। इसके लिए ध्वनि विस्तार यंत्रो के उपयोग के साथ-साथ कार्यालयों के सूचना पटलों पर एवं पुलिस थानो के नोटिस बोर्ड पर आदेश की प्रति चस्पा की जाए।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों से कहा है कि उनके क्षेत्राधिकार में नरवाई में आग लगने की सूचना प्राप्त होती है या आग लगने के बाद साक्ष्य के रूप में मौके पर आग लगाना पाया जाता है तो संबंधित के विरूद्व दण्डात्मक कार्यवाही की जाए और की गई कार्यवाही का पालन प्रतिवेदन जिला कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उक्त कार्यवाही में यदि किसी के द्वारा लापरवाही बरती जाती है तो उसके

शिक्षक हुए घायल प्राथमिक उपचार के बाद,विदिशा रेफर

सिरोंज। मोटरसाइकिल चलते समय अचानक शुगर लेवल 700 के करीब हो जाने के कारण चितावर के मोड पर गाड़ी से दुर्घटना के शिकार हुए गए शिक्षक वेद प्रकाश सिंह राजपूत प्राथमिक उपचार बाद अस्पताल से हालात गंभीर होने पर डॉक्टर ने जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया जहां इनका इलाज चल रहा है। मोटर साइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। सिर पर गंभीर रूप से चोट आई है। ज्यादा चोट आई ऐसी जानकारी मिली है। इनके परियोजना बताया कि स्कूल जाते समय अचानक उनका शुगर लेवल अधिक हो गया और मोड पर मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त होने से घायल हो गए हैं। वहीं शिक्षक वेद प्रकाश राजपूत दुर्घटनाओं का शिकार कैसे महेश की जानकारी तो इनके स्वास्थ्य होने या पुलिस की जांच के बाद ही सही जानकारी सामने आएगी।

शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

मुख्य सड़क किनारे रख रहे निर्माण सामग्री, हादसों को दे रहे निमंत्रण

जगह जगह लगे सामन के टेर, सड़कों पर खड़े वाहन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर की मुख्य सड़क पर कतिपय लोगों द्वारा निर्माण सामग्री फैला रखी है, जो हादसे का कारण बन रही है, लेकिन इस ओर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। अधिकारियों द्वारा महज चेतावनी दी जा रही है। बिना सख्त कार्यवाही के लोग इन हिदायतों को नजर अंदाज कर रहे हैं। वर्तमान में नगर में कई स्थानों पर भवन एवं अन्य निर्माण कार्य चल रहे हैं। लोग, निर्माण सामग्री जैसे गिट्टी, रेत, ईट व लोहा को सड़क पर डंप कर रहे और जब तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता है, तब तक नहीं हटाते हैं। इससे लोगों को आवागमन में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे आधी सड़क पर कब्जा है। ऐसे हालात नगर की कई सड़कों पर देखे जा सकते है। जहां से चार पहिया वाहनों को घूमकर जाना पड़ रहा है

अनदेखी से मार्ग हो रहा बाधित

मकान निर्माण करवाने वाले सामग्री का ढेर सड़क पर ही लगा देते हैं। इतना ही नहीं कई बार तो सामग्री महीनों तक पड़ी रहती है। इन सामग्रियों के सड़क पर फैले रहने से बाइक चालक गिरकर घायल हो चुके हैं। इसके अलावा संकरे मार्ग पर तो चार पहिया वाहन निकल भी नहीं पाते हैं। इससे लोगों को अपने वाहन वापस ले जाना पड़ते हैं। निर्माण सामग्री सड़क पर फैलाने वालों पर न तो नगर परिषद कार्रवाई करती है और न ही प्रशासन। ऐसे में आम लोगों को आवाजाही में दिक्क तों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकांश गलियों में ट्रैफिक बाधित होता है। खासतौर पर रात के समय परेशानी अधिक बढ़ जाती है, क्योंकि सामग्री दिखाई नहीं देती है।

जबलपुर, सागर, दमोह और तारादेही मार्ग पर दिक्कत

नगर से गुजरे जबलपुर, दमोह, सागर और तारादेही मार्ग पर सबसे ज्यादा दिक्कत होती है, क्योंकि यहां पर लोगों द्वारा मुख्य सड़क पर ही रेत, गिट्टी सहित अन्य निर्माण सामग्री सड़क पर फैलाए हुए रखें हुए हैं। जिससे हादसा होने का सबसे ज्यादा खतरा बना हुआ है। वहीं जबलपुर मार्ग पर बस स्टैंड से हाईस्कूल के पास माहुला पुल तक लोगों द्वारा सड़कों पर निर्माण सामग्री रखे हुए हैं। जहां पर आए दिन लोग गिरकर घायल हो जाते है। नगर का मुख्य मार्ग जहां सुबह शाम यात्री बसें सहित सैकड़ों वाहनों का निकलना होता है, वहीं दमोह सागर मार्ग पर लोगों द्वारा मकान बनाने के लिए सड़कों पर निर्माण सामग्री फैली हुई है और इसी तरह के हाल तारादेही मार्ग के हैं।

मवेशियों का सड़कों पर जमावड़ा

उधर मार्गों पर शाम ढलते ही गौवंश का भी जमावड़ा यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। जहां-तहां बैठे मवेशियों से लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। पशुपालक अपने पशुओं के प्रति लापरवाह दिखाई दे रहे हैं। तहसील कार्यालय से एक्सीलेंस स्कूल तक एवं चौरई मार्ग तक सहित अन्य मार्गों पर मवेशियों का जमावड़ा परेशानी की वजह बना हुआ है।

अन्य अनदेखी भी ट्रैफिक बाधित की वजह

मुख्य मार्गों पर लोगों द्वारा यातायात व्यवस्था को बिगाड़ने का काम भी किया जा रहा है। क्योंकि उनके द्वारा सड़क किनारे अपने वाहनों को खड़ा किया जा रहा है। जिससे अन्य वाहनों को निकलने में सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। वहीं दूसरी ओर इस मार्ग से प्रतिदिन लोग जहां बाजार जाते हैं तो वहीं बच्चे पैदल स्कूल जाते हैं। लोगों का कहना है कि सड़कों पर निर्माण सामग्री के साथ वाहनों को भी खड़ा करने से ट्रैफिक बाधित हो रहा है।

इससे नगर की यातायात व्यवस्था लड़खड़ा गई है। इस व्यवस्था को सुधारने में जिम्मेदार नाकाम है। उधर कतिपय दुकानदारों ने दुकानों की हद भी बड़ा ली है और उनका सामान मार्ग तक फैला रहता है। जिस कारण 50 फीट चौड़ा मार्ग लगभग 20 फीट का ही बचता है।

पैरालीगल वालेंटियर्स आदर्श समाज की परिकल्पना के द्योतक : जाकिर हुसैन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जाकिर हुसैन की अध्यक्षता में आज पैरालीगल वालेंटियर्स की बैठक जिला न्यायालय के सभागार कक्ष में आयोजित की गई थी।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के दिशा निर्देशनों के अनुपालन में आहूत इस बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जाकिर हुसैन ने कहा कि शासन की योजनाओं का कियान्वयन धरातल पर हो रहा है यह सुनिश्चित करना एवं अपने कर्तव्यो का पालन जागरूक तरीके से निर्वाहन करने की जिम्मेदारी आप सभी की है। उन्होंने कहा कि न्याय हर जरूरतमंद व्यक्तियों तक पहुँच सके और हमारे अंदर राष्ट्र प्रेम की भावना बनी रहे जिससे की हम आदर्श समाज के निर्माण के सहभागी बने रहे। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री नितेन्द्र सिंह तोमर ने मौजूद सभी पैरालीगल वालेंटियर्स से चर्चा की और उनके कार्य के बारे में जाना और कहा कि नालसा की समस्त योजनाओ का लाभ हर जरूरतमंद व्यक्तियों तक पहुँच सके ऐसा हमारा प्रयास होना चाहिये। उन्होंने आगुंतकों के प्रति आभार भी व्यक्त किया उक्त बैठक में जिला विधिक अधिकारी श्रीमति दिव्या भलावी, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्रीमान सुरजीतसिंह सिकरबार एवं लीगल डिफेंस काउंलिस श्री विनोद कुशवाह एवं अनिमेष तिवारी उपस्थित रहें।

जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला का आयोजन

सिरोंज। विदिशा सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) एवं मप्र राज्य मिलेट मिशन योजना अंतर्गत जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला दो दिवसीय आयोजन सिरोंज के श्री महामाई मंदिर परिसर में 26 व 27 मार्च को किया गया है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास, विभाग के संचालनालय द्वारा जारी निर्देशों के पालन में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) एवं मप्र राज्य मिलेट मिशन योजना अंतर्गत जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन योजनावार किया गया है। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री केएस खपाड़िया ने बताया कि 26 मार्च को आत्मा अंतर्गत (एक दिवसीय) तथा 27 को मिलेट मिशन योजना अंतर्गत आयोजित होने वाले उक्त मेला में वृहद संख्या में कृषक सम्मिलित होंगे। मेले में विभिन्न विभागों (कृषि विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, उद्यान विभाग, वन विभाग, जल संसाधन विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, रेशम विभाग, मत्स्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, एम.पी.एग्रो, जिला विपणन अधिकारी, एवं अन्य विभाग) तथा निजी क्षेत्रों के कृषि आदान सामग्री प्रदायकोंध् निर्माताओं (बीज, उर्वरक, कीटनाशक, खरपतवार नाशक, कृषि यंत्र) द्वारा प्रर्दशनी लगाकर उन्नत तकनीकी की जानकारी दी जावेगी। इस कृषि विज्ञान मेले में जिले के प्रत्येक विकासखण्ड से कृषक सम्मिलित होगे। मेला आयोजन की तिथियां का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश संबंधितों को प्रसारित किए गए हैं वहीं जिले के किसान भाई से आह्वान किया गया है कि उक्त अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।स्थानीय कृषि संस्थानों पर आधारित व्यवसाय संचालित करने वालों को भी प्रचार प्रसार के कार्यो सहयोग करने की अपील की गई है ताकि अधिकाधिक कृषक बन्धुओं को मेले में शामिल होने हेतु सूचनाएं उपलब्ध हो सके।

37 वाहनों की चेकिंग कर वसूले 2,42,692 रुपए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के निर्देश पर वाहनों के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाए जाने के पालन में आज जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरजेश वर्मा ने विदिशा शहर मे सागर रोड, अशोकनगर रोड एवं करारिया चैराहे पर वाहनों की चेकिंग की कार्यवाही की। इस कार्यवाही के दौरान 37 वाहन नियम विरुद्ध चलते पाए जाने पर उनके विरुद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए 29 वाहनों से मौके पर शमन शुल्क 2,02,280 एवं मोटर यान कर 40412 इस प्रकार कुल राजस्व 2,42,692 रुपए वसूल किए गए हैं। शेष 08 वाहन प्रकरण निराकरण की प्रत्याशा में जप्त कर परिवहन कार्यालय परिसर एवं पुलिस थाना करारिया में सुरक्षार्थ रखे गए हैं।

उक्त कार्रवाई के दौरान विशेष रूप से यात्री बसों में पात्रता से अधिक सवारी ले जाना, भारवाही वाहनों में पात्रता से अधिक माल ढोना तथा मध्यप्रदेश मोटरयान कर जमा न होने के संबंध में जांच की गई थी। प्राप्त निर्देशों के पालन में वाहन चेकिंग की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

महुआखेड़ा पृथ्वीराज के सचिव को सीईओ ने भेजा नोटिस

सिरोंज। विकासखंड की ग्राम पंचायत महुआ खेड़ा पंचायत के सचिव के द्वारा सीएम हेल्पलाइन की शिकायत वापस लेने के बदले में हितग्राही को मोबाइल पर धमकी देते हुए लाडली बहन एवं राशन पर्ची बंद करवाने की धमकी दी थी जिसका ऑडियो वायरल होने के बाद जनपद सीईओ वंदना शर्मा मैं पंचायत सचिव आकाश छरी को कार्यालय बुलाकर पहले तो सीईओ ने फटकार लगाते हुए खरी खोटी सुनाई और कहा कि इस तरह का कदाचरण कर्मचारियों को कहीं से कहीं तक शोभा नहीं है इस तरह का व्यवहार किसी भी हितग्राही के साथ करने का अधिकार नहीं है आप कौन होते हो शासन की योजना देने वाले और बंद करने वाले नोटिस देकर सात दिवस में स्पष्टीकरण भी मांगा है। इसके बाद आगे मामले में कार्रवाई करने की बात जनपद सीईओ के द्वारा की जा रही है। दूसरी बार ऑडियो वायरल होने के बाद पंचायत सचिव भी हितग्राही को मनाने में लगा हुआ है ।

अल्हमदुलिल्लाह तरावीह के दस साल बेमिसाल, बोले हाफ़िज़ अब्दुल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

रमज़ानुल मुबारक के पाक महीने की अहम सुन्नत तरावीह आज बरोज़ जुमा 20 वा रोज़ा 21बी शब। को मस्जिद उमर फारूक भौंरिया में तरावीह में कुरआन पाक पूरा हुआ। आखिर में पूरे मुल्क के लिये अमन चैन सूकून की दुआ की गई। इस अवसर पर दस वर्ष से लगातार तरावीह पढ़ा रहे हाफ़िज़ अब्दुल क़दीर मंसूरी ने रमज़ानुल मुबारक के पाक महीने पर बयान करते हुए कहा कि अल्लाह ताला ने अपने बंदों पर बेशुमार नेमतें नाजिल की हैं जिनमें से एक बहुत बड़ी नेमत रमजान उल मुबारक का बा बरकत महीना है यह महीना रहमत मग्फिरत और जहन्नम से निजात का जरिया है जिसमें अल्लाह ताला अपने बंदों पर बेपनाह फजलों करम फरमाता है कुरान मजीद और अहादीसे मुबारका में रमजान उल मुबारक की फजीलत और बरकत का तफसीर से जिक्र किया गया है चुनाचें यही वह मुबारक महीना है जिसमें सबसे अफजल किताब कुराने करीम नाजिल हुई यही वह महीना है जिसके रोज़े का सवाब खुद अल्लाह तआला ने अपने ज़िममें लिया है रमजान ही वह महीना है जिसमें सरकश शयातीन को बेड़ियों में जकड़ दिया जाता है जन्नत के दरवाजे खोल दिए जाते हैं जहन्नम के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं रोजाना लाखों गुनाहगारों कि मग्फिरत का ऐलान किया जाता है रमजान ही तरावीह व एतेकाफ का महीना है इसी महीने में वह मुबारक रात होती है जिसकी इबादत हजार महीनों से अफजल है और रमजानुल मुबारक ही वह महीना है जिसके इस्तकबाल के लिए जन्नत को 11 माह पहले से सजाया जाता है और जिस महीने को पाने के लिए आका ए दो जहां मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम रजब के चांद देखने के साथ ही दुआ करते थे और शाबान को रमजान की तैयारी में गुजारते थे लिहाजा हम सबके लिए जरूरी है कि इस मुबारक महीने में जितनी ज्यादा इबादत कर सकते हो करें और अपने गुनाहों से माफी का परवाना हासिल करें और अपने रूठे हुए अल्लाह को मनाएं और अल्लाह की रहमतों को अपनी तरफ मुतवज्जह करें अल्लाह तआला हमारे रोज़े और नमाज़ो ज़कात सदका जैसी सभी इबादात को अपनी बारगाह में कुबूल फरमाए आमीन मस्जिद कमेटी और सभी साथियों ने हाफ़िज़ अब्दुल कदीर मंसूरी का इस्तकबाल किया।

हाफिज अजीम को फूल माला पहनाकर किया स्वागत

सिरोंज के काले महल के पास स्थित दादा मियां वाली मस्जिद में 20 वीं तरावी पर 30 पारे

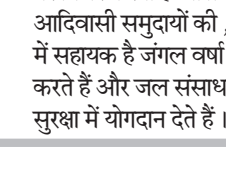

हाफिज अजीम कुरेशी द्वारा मुकम्मल किए गए सभी लोगों द्वारा हाफिज अजीम को फूल माला पहनाकर उनकी हौसला अफजाई की गई इसके बाद तबरुक्त तक़सीम किया गया वहीं इस अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के तहसील संयोजक इरफान कुरैशी उर्फ बाबू ठेकेदार नगर संयोजक वाजिद कुरैशी की टीम द्वारा वहां पहुंचकर हाफिज का फूल माला एवं तोहफे देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सैयद जुनैद अली, डॉक्टर अनस कुरैशी, अरशद कुरैशी, रोमान कुरैशी,कामरान ठेकेदार, अनीश खान, शमीम खान, जुबेर खान, शाहिद खान, अलमास खान, निजाम खान, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर विश्व वानिकी दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन हुआ

पेड़ मानव को जीवन पर्यन्त देने का ही काम करते हैं : डीइफओ यादव

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले में भी विश्व वानिकी दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। विदिशा के रेंज आफिस परिसर इको सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को हम सब मिलकर अच्छा पर्यावरण विरासत दे उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पेड़ अपने संपूर्ण जीवन काल में मानव को सदैव देंने का काम करते हैं। चाहे वो फूल फल पत्ते औषधियां या लकड़ियां इस से कहीं अधिक स्वच्छ पर्यावरण व आक्सीजन देते हैं।

वन मंडलाधिकारी श्री यादव ने कहा कि वृक्षारोपण कार्यक्रमों अधिकाधिक सहभागिता निभातें हुए उनकी रक्षा के दायित्वों का निर्वाहन करने हेतु सभी को अभिप्रेरित करे।क जीवन के लिए ऑक्सीजन भोजन ,ईंधन समेत तमाम प्राकृतिक संसाधनों की जरूरत होती है जो हमें वनों से प्राप्त होते हैं ऐसे में वन का महत्व बहुत ज्यादा है इसलिए राष्ट्र विकास की दिशा में विश्व पटल पर इस प्रकार के कदम उठाए जा रहे हैं।

वन मंडलाधिकारी श्री यादव ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 21 मार्च अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के रूप में मनाया जाता है हम आने वाली पीढियां के लिए स्वच्छ वायु जल और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करना चाहते हैं तो हमें वनों के संरक्षण के प्रति गंभीर होना पड़ेगा संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 दिसंबर 2012 को घोषणा की की हर साल 21

मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाएगा ,पहला आधिकारिक आयोजन 21 मार्च 2013 में किया गया था वन दिवस मनाने के लिए 21 मार्च की तारीख तय करने का एक कारण था इस दिन उत्तरी गोलार्ध में बसंत विश्व एवं दक्षिणी गोलार्ध में शरद विश्व के आसपास आता है 21 मार्च को दिन और रात बराबर होते हैं जो प्रकृति और पारिस्थितिकी संतुलन का प्रतीक है।

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस 2025 की थीम वन और खाद्य है यह थीम खाद्य सुरक्षा पोषण और आजीविका में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हैं अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के बहुत महत्व हैं जैसे जंगल हमें आक्सीजन प्रदान करते हैं जलवायु को नियंत्रित करते हैं और लाखों जीव जंतुओं का घर है वन वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में मदद करते हैं ,लाखों लोगों की आजीविका वनों पर निर्भर करती है खासकर ग्रामीण और आदिवासी समुदायों की ,वन ,जल संरक्षण में सहायक है जंगल वर्षा को आकर्षित करते हैं और जल संसाधनों संसाधनों की सुरक्षा में योगदान देते हैं ।विदिशा जिले के अंतर्गत बेतवा नदी के उद्गम स्थल को पुनर्जीवित करने के लिए जिले के समस्त बुद्धिजीवियों को आगे आकर वनों के संरक्षण और संवर्धन के लिए काम करना होगा जिससे कि हमारी प्राकृतिक धरोहर सुरक्षित रह सके जिस प्रकार से पुरातत्व रूप से हमारा जिला विश्व पटल पर जाना जाता है वही पहचान हमारे जिले की प्रकृति की एवं प्राकृतिक संसाधनों की बनाने की आवश्यकता है ।वृक्षारोपण कार्यक्रम में उपवन मंडल अधिकारी विदिशा श्री तरुण डहेरिया परिक्षेत्र अधिकारी श्रीमती पिंकी रघुवंशी और जिला वन उपज संघ विदिशा के अध्यक्ष श्री कमल सिंह मीणा समेत विभागीय अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

मां बनने के बाद सदमे में थीं सोनम कपूर, बढ़ गया था वजन

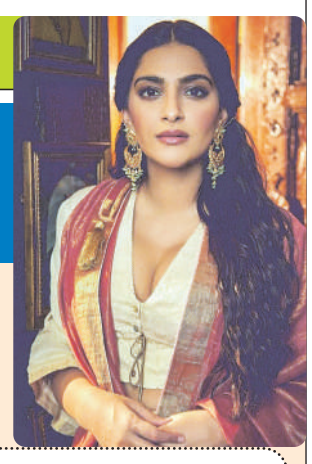

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर ने एक इंटरव्यू में बेटे वायु को जन्म देने के बाद हुए वेट गेन पर बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्होंने 32 किलो वजन बड़ा लिया था जिसके बाद वो ट्रॉमेटाइज हो गई थीं। सोनम ने यह भी कि वो अपने बच्चे की परवरिश में ज्यादा बिजी हो गई थीं। ऐसे में उन्होंने वेट लॉस के बारे में ज्यादा नहीं सोचा।

अपने नए वर्जन को भी एक्सेप्ट किया

एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने बेटे के जन्म के बाद काफी वेट गेन कर लिया था और उन्होंने अपनी बॉडी को वैसे ही अपनाया जैसी वो थीं। सोनम बोलीं- 'आपकी लाइफ में सब कुछ बदल जाता है। आपका खुद के साथ रिश्ता, अपने पति के साथ रिश्ता, सब कुछ बदल जाता है। आप कभी भी अपनी बॉडी के बारे में पहले जैसा महसूस नहीं करते। हालांकि, मैंने हमेशा खुद को वैसा ही एक्सेप्ट किया है, जैसी मैं हूं। मैंने सोचा कि मुझे अपना ये वर्जन भी एक्सेप्ट करना चाहिए।' 38 साल की सोनम कपूर ने साल 2018 में बिजनेसमैन आनंद आहूजा से शादी की थी। शादी के चार साल बाद अगस्त 2022 में कपल बेटे वायु के पैरेंट्स बने थे। वर्क फ्रंट पर सोनम की थिएटर में रिलीज हुई आखिरी फिल्म 'द जोया फैक्टर' थी। इसके बाद 2023 में उनकी फिल्म 'ब्लाइंड' ओटीटी पर रिलीज हुई थी।

'मुझे वेट लूज करने में डेढ़ साल का वक्त लगा'

फैशनेबल पर्निया पॉडकास्ट को दिए एक इंटरव्यू में सोनम ने कहा, 'मेरा वजन 35 किलो हो गया था। सच कहूं तो शुरू में मैं सदमे में चली गई थी। वो वक्त भी ऐसा होता है कि आप अपने बेबी से बहुत ऑब्सेस्ड होते हो। उस वक्त आप वर्कआउट करने या फिर अपने खान-पान के बारे में नहीं सोचते। मुझे वेट लूज करने में डेढ़ साल लगा। मैंने इस पर धीरे-धीरे काम किया। आपको थोड़ा स्लो होना भी चाहिए क्योंकि आपको अपने साथ तालमेल बैठाना पड़ता है।'

न्यूली मैरिड लुक में नजर आए रणवीर-आलिया

भट्ट और रणवीर सिंह की शानदार जोड़ी करण जौहर की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में नजर आई थी। दोनों की जोड़ी को काफी पसंद किया गया। दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री फैंस के बीच काफी पॉपुलर थी. फिल्म में इन दोनों ने रॉकी रंधावा और रानी चटर्जी का किरदार निभाया था. फिल्म के सुपरहिट होने के बाद फैंस लगातार इन दोनों के दोबारा साथ आने का इंतजार कर रहे हैं, जो शायद पूरा हो चुका है।

जी हां, हाल ही में रणवीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके साथ आलिया भट्ट नजर आ रही हैं और दोनों नवविवाहित जोड़े की भूमिका में नजर आ रहे हैं. वीडियो को खूब पसंद किया जा रहा है. साथ ही फैंस ये भी कयास लगा रहे हैं कि ये दोनों किसी प्रोजेक्ट में साथ आ रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है. दरअसल, दोनों एक विज्ञापन में साथ नजर आ रहे हैं, जिसका वीडियो रणवीर ने शेयर किया है। यह विज्ञापन मेक माई ट्रिप का है। वीडियो में दोनों की जोड़ी को काफी पसंद किया जा रहा है।,

फिर साथ दिखे रणवीर-आलिया!

शेयर किए गए वीडियो में आलिया और रणवीर शादी के जोड़े में नजर आ रहे हैं और एक दूसरे के साथ अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं. इसके बाद दोनों एक दूसरे से अपने पहले सफर के बारे में बात करते नजर आते हैं. जैसे-जैसे वीडियो आगे बढ़ता है, दर्शकों को एहसास होता है कि जिस 'पहले' के बारे में बात की जा रही है वह उन दोनों की पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा है। इसके बाद वे अपनी फ्लाइट और होटल बुकिंग के लिए मेक माई ट्रिप का इस्तेमाल करते हैं। वीडियो में दोनों को एक साथ देखकर फैंस काफी खुश हो रहे हैं।

कैटरीना ने ठुकरा दिया हॉलीवुड का बड़ा ऑफर

इंडस्ट्री की खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक कैटरीना कैफ फिल्म 'मेरी क्रिसमस' में नजर आई थीं। इस फिल्म में कैटरीना कैफ के साथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता विजय सेतुपति नजर आए थे। कैटरीना कैफ स्टारर इस फिल्म की दर्शकों और फिल्म समीक्षकों ने भी जमकर तारीफ की. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कैटरीना कैफ ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें हॉलीवुड फिल्मों के ऑफर मिले थे लेकिन उन्होंने बिना सोचे-समझे इसे ठुकरा दिया था। कैटरीना कैफ ने हॉलीवुड ऑफर ठुकराने की वजह भी बताई है। एक इंटरव्यू में कैटरीना कैफ ने बताया कि उन्हें एक हॉलीवुड रोल ऑफर हुआ था और यह फिल्म उनके करियर में एक अलग मोड़ ला सकती थी. इस इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि भले ही उन्हें हॉलीवुड से ऑफर मिला था लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया था. कैटरीना कैफ ने कहा, मुझे विश्वास है कि एक दिन ऐसा होगा. अगर मैंने यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया होता तो यह मेरी किताब में एक नए अध्याय की तरह होता। पिछले साल कैटरीना कैफ सलमान खान के साथ फिल्म 'टाइगर 3' में भी नजर आई थीं। मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में इमरान हाशमी ने विलेन की भूमिका निभाई थी. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई करने में सफल रही थी. फिलहाल कैटरीना कैफ नई फिल्म की तलाश में हैं।

आदित्य धर की एक्शन फिल्म में रणवीर सिंह

रणवीर सिंह ने 'उरी' के निर्देशक आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित परियोजना का थाईलैंड में एक महीने का पहला शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसके बाद वह फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू करने जा रहे हैं। अभिनेता रणवीर सिंह के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी की खबर है। रणवीर सिंह नवंबर के शुरुआत में 'उरी' के निर्देशक आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित परियोजना की शूटिंग फिर से शुरू करने वाले हैं। बता दें कि हाल ही में अभिनेता के घर बेटी का आगमन हुआ है। वह अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण के साथ बच्ची के जन्म का जश्न मना रहे हैं। खुशियों के इस मौके पर अभिनेता के प्रशंसकों के लिए उत्सुकता और उत्साह से भरी खबर सामने आई है। 'बैंकॉक, थाईलैंड में हमारी शूटिंग बहुत ही उत्पादक रही है। अब रणवीर अगले शेड्यूल के लिए नवंबर में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हम इस समय कई जगहों के बारे में पूरी जानकारी नहीं दे सकते हैं, लेकिन पहले शेड्यूल में हमने जो उच्च गुणवत्ता वाला उत्पाद देखा है, उसके बाद अगले अध्याय के लिए उत्साह बहुत अधिक है।'कहा जा रहा है कि इस फिल्म में कई बेहतरीन कलाकार हैं और इसकी घोषणा ने पूरे उद्योग और प्रशंसकों के बीच चर्चा पैदा कर दी है। जैसे-जैसे उम्मीद बढ़ रही है, दर्शक एक बार फिर रणवीर का दमदार अभिनय देखने के लिए उत्सुक हैं। उनका किरदार दर्शकों को पूरा मनोरंजन देने का दावा करता है। आदित्य धर की इस गंभीर कहानी में अभिनेता की तीव्रता को को दर्शाया गया है। बता दें कि 'उरी' निर्देशक इस परियोजना के माध्यम से दर्शकों के लिए कुछ नया लेकर आना चाहते हैं।

संजू सैमसन सिर्फ बैटिंग करेंगे; राजस्थान की कमान रियान पराग के हाथ में

आईपीएल का पहला डबल हेडर आज : SRH Vs RR

हैदराबाद, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सीजन का पहला डबल हेडर (एक दिन में 2 मैच) आज खेला जाएगा। दिन के पहले मुकाबले में दोपहर 3.30 बजे से सनराइजर्स हैदराबाद का सामना हैदराबाद में राजस्थान रॉयल्स से होगा।

हैदराबाद में दोनों टीमों के बीच कुल 5 मैच खेले गए। हैदराबाद ने 4 और राजस्थान ने 1 मैच जीता। हैदराबाद ने पिछले सीजन क्वालिफायर-2 में राजस्थान को हराकर बाहर किया था। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स अपनी सबसे बड़ी राइवल टीम मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी।

हैदराबाद-राजस्थान में कांटे की टक्कर

हैदराबाद और राजस्थान का हेड टु हेड रिकॉर्ड कांटे की टक्कर का रहा। आईपीएल में दोनों टीमों के बीच 20 मुकाबले खेले गए। 11 बार सनराइजर्स हैदराबाद और 9 बार राजस्थान रॉयल्स ने जीत दर्ज की। दोनों ने 1-1 बार खिताब भी जीता है।

हैदराबाद के पास सबसे दमदार बैटिंग ऑर्डर 2016 की चैंपियन हैदराबाद में ओपनर ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा के साथ टॉप-5 में तेजी से खेलने वाले बैटर्स हैं। नीतीश कुमार रेड्डी जैसा परफेक्ट ऑलराउंडर है। हेनरिक क्लासन और ईशान किशन के रूप में हार्ड हिटिंग मिडिल ऑर्डर बैटर भी हैं। हर्षल पटेल, पैट कमिंस और मोहम्मद शमी बॉलिंग को मजबूती दे रहे हैं।

राजस्थान में आर्चर, हसरंगा, संदीप जैसे बड़े बॉलर्स राजस्थान के टॉप ऑर्डर में यशस्वी जायसवाल, शिमरोन हेटमायर और रियान पराग का एक्सपीरियंस मौजूद है। नीतीश राणा और शुभम दुबे बैटिंग को और भी मजबूत कर रहे हैं। वनिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, महीश तीक्षणा, जोफ्रा आर्चर, फजलहक फारूकी और संदीप शर्मा बॉलिंग डिपार्टमेंट को मजबूत बना रहे हैं।

रियान शुरुआती 3 मैचों में राजस्थान की कप्तानी करेंगे सीजन के शुरुआती 3 मैच में राजस्थान की कप्तानी रियान पराग करेंगे। रेगुलर कप्तान संजु सैमसन फिट नहीं हैं। बुधवार को टीम मैनेजमेंट ने एक इवेंट में बताया कि सैमसन को इंजरी की वजह से फिलहाल विकेट कीपिंग और फील्डिंग की परमिशन नहीं मिल पाई है। ऐसे में लीग के शुरुआती मैच वे सिर्फ बतौर बैटर ही खेल सकेंगे। पूरी तरह फिट होने के बाद ही वे फिर से टीम की कमान संभाल सकेंगे।

पिच रिपोर्ट हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम, उप्पल की पिच बैटिंग फ्रेंडली है। यहां गेंदबाजों को भी मदद मिलती है। इस मैदान पर हाई स्कोरिंग मुकाबले देखने को मिलते हैं। यहां अब तक 77 टी20 मैच खेले गए, 34 मैच पहले बैटिंग करने वाली टीम और 43 मैच चेज करने वाली टीम ने जीते। रिकॉर्ड को देखते हुए टॉस जीतने वाली टीम पहले बॉलिंग चुन सकती है।

आज का दूसरा मैच चेन्नई सुपरकिंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच

चेन्नई। दिन का दूसरा मुकाबला चेन्नई सुपरकिंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच होगा। मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम, चेपॉक स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। इस मुकाबले को सीजन का एल-क्लासिको भी कहा जाता है। इस सीजन दोनों के बीच 2 मैच होगा। एल क्लासिको शब्द का इस्तेमाल फुटबॉल में एफसी बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच मुकाबले के लिए किया जाता है। दोनों दुनिया और स्पेन की सबसे बड़ी क्लब टीमें हैं, इसीलिए इनके बीच मैच को एल-क्लासिको कहते हैं। इसका मतलब होता है, क्लासिक मैच। किकेट में सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी टीमें हैं। दोनों के बीच ऐतिहासिक राइवलरी को दिखाने के लिए ही इस टर्म को यूज किया जाता है। जब मुंबई और चेन्नई आमने-सामने होती हैं तो मुकाबला भी काफी टक्कर का होता है। इसे फैंस ने ही एल-क्लासिको का नाम दिया। दोनों टीमें 5-5 टाइटल जीतकर लीग की सबसे सफल टीमें हैं। मुंबई ने फाइनल में 3 बार ष्टस्च को हराया। वहीं ष्टस्च ने 2010 में अपना पहला खिताब मुंबई को ही हराकर जीता था। मुंबई ने जीते हैं ज्यादा मैच चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल में अब तक कुल 37 मुकाबले खेले गए, 20 में मुंबई और 17 में चेन्नई की टीम ने बाजी मारी। मुंबई का पलड़ा चेन्नई के खिलाफ भारी जरूर है, लेकिन पिछले तीनों मैच चेन्नई के नाम रहे। चेन्नई के होम ग्राउंड पर मुंबई हावी रही है। यहां दोनों टीमें 9 बार आमने-सामने हो चुकी हैं। 6 बार मुंबई और 3 बार चेन्नई को जीत मिली। मुंबई का टॉप ऑर्डर बेहद मजबूत इंडिया के इंटरनेशनल प्लेयर होने से मुंबई इंडियंस का टॉप ऑर्डर बेहद मजबूत है। बोल्ट और चाहर पेस बॉलिंग को मजबूत बना रहे हैं।

मध्यप्रदेश के पैरा एथेलेटिक्स खिलाड़ियों ने जीते 4 पदक

खेलो इंडिया पैरा गेम्स दिल्ली में

नईदिल्ली, एजेंसी

खेलो इंडिया पैरा गेम्स का आयोजन दिल्ली में किया जा रहा है। दिल्ली में आयोजित इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के पैरा खिलाड़ियों ने अपने एथेलेटिक्स खेल के शानदार प्रदर्शन कर 2 स्वर्ण और 2 कांस्य पदक अर्जित किये। मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल एवं शारीरिक दक्षता का बेहतर प्रदर्शन कर 2 स्वर्ण एवं 02 कांस्य सहित 4 पदक अपने नाम किये।

खिलाड़ियों ने अर्जित उपलब्धियों का विवरण इस प्रकार है: भारत रावत ने एफ-33 केटेगरी की एथेलेटिक्स (शॉटपुट) में स्वर्ण पदक, अर्पित शर्मा ने टी-36 केटेगरी की एथेलेटिक्स (400मी.) में स्वर्ण पदक, सचिन साहू ने टी-36 केटेगरी की एथेलेटिक्स (400मी.) में कांस्य पदक, कोमल त्यागी ने एफ-11 केटेगरी की एथेलेटिक्स में कांस्य पदक, प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी पदक विजेता पैरा खिलाड़ियों को की सराहना करते हुयें, बधाई दी है।

उल्लखेनीय है कि अर्पित शर्मा ने टी-36 केटेगरी में यह दूसरा पदक अर्जित किया है। अर्पित ने 100 मी. में रजत और 400 मी. में स्वर्ण पदक अर्जित किया है। एथेलेटिक्स पैरा खिलाड़ी अर्पित शर्मा तात्याटोपे स्टेडियम भोपाल में प्रशिक्षणरत हैं। अर्पित के प्रशिक्षक मुजीव खान है।

वर्ष 2023 में आयोजित खेलो इण्डिया पैरा गेम्स में मध्यप्रदेश की टीम ने 3 स्वर्ण और 3 रजत पदक सहित 6 पदक अर्जित किये थे। खिलाड़ियों ने 2 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य पदक के साथ कुल 5 पदक अर्जित किये हैं। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के दल में 24 खिलाड़ी, प्रशिक्षक और एस्कोर्ट सहित कुल 40 सदस्यीय दल प्रतिभागिता कर रहा है।

मैनचेस्टर सिटी ने दी ब्राइटन को मात

ब्राइटन, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाड़ी फिल फोडेन के दो गोल से मैनचेस्टर सिटी ने गुरुवार को ब्राइटन एंड होव अल्बियन को 4-0 से शिकस्त दी। टीम लगातार चौथी बार प्रीमियर लीग खिताब के करीब पहुंच गई है। इस जीत के साथ सिटी अंकतालिका में 33 मैच में 76 अंक के साथ दूसरे स्थान पहुंची। इससे शीर्ष पर काबिज आर्सेनल पर दबाव बढ़ा, जिसते 34 मैच में 77 अंक है।

खिताब के लिए सिटी को जीतने हैं पांच मुकाबले

लीग में मैनचेस्टर सिटी को पांच मैच जबकि आर्सेनल और लिवरपूल को 4-4 मैच खेलने हैं। सिटी को अब नॉटिंघम फॉरेस्ट, वॉल्वरहैम्पटन, फुलहम, टोटेनहम और वेस्ट हैम के साथ मुकाबले खेलने हैं। यदि मैनचेस्टर सिटी इन मैच में जीत दर्ज करती है तो वह फिर खिताब अपने नाम कर लेगी।

आर्यन, जितेश की एशियाई अंडर-22 व युवा मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में जीत से शुरुआत

अस्ताना (कजाकिस्तान), एजेंसी

आर्यन (51 किग्रा) और जितेश (54 किग्रा) ने शनिवार को यहां एएसबीसी एशियन अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में अपने मुकाबले जीतकर पहले दिन भारत को जीत से शुरुआत करायी। आर्यन ने दक्षिण कोरिया के जो ह्योन वू को और जितेश ने चीनी ताइपे के चेन यू चेन को 5-0 के समान अंतर से हराया। अन्य मुक्केबाज जतिन (57 किग्रा), सागर जाखड़ (60 किग्रा) और यशवर्धन सिंह (63.5 किग्रा) बाद में रिंग में उतरेंगे। जदुमणि सिंह एम (51 किग्रा), आकाश गोरखा (60 किग्रा), अजय कुमार (63.5 किग्रा) और अंकुश (71 किग्रा) रविवार को अंडर-22 वर्ग में अपना अभियान शुरू करेंगे। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किग्रा) मंगलवार को महिलाओं के अंडर-22 वर्ग में उज्बेकिस्तान की उक्तामोवा निगिना के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी। प्रीति ने पहले ही पेरिस ओलंपिक में जगह पक्की कर ली है।

कोलेस्ट्रॉल-शुगर को कंट्रोल रखना मुश्किल नहीं, घर में ही मौजूद है इसका कारगर उपाय

हाई ब्लड प्रेशर और बढ़े हुए शुगर का स्तर मौजूदा समय में सेहत के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। हर उम्र के व्यक्तियों में इसके जोखिम देखे जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं अनियंत्रित ब्लड प्रेशर से हृदय रोगों-हार्ट अटैक का खतरा हो सकता है, वहीं हाई शुगर के कारण डायबिटीज और तंत्रिकाओं से संबंधित विकारों का खतरा बढ़ सकता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए शुगर और ब्लड प्रेशर दोनों को कंट्रोल में रखना जरूरी है।

Life&Style METRO

तुलसी ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने में सहायक

शोधकर्ताओं ने बताया तुलसी में ऐसे औषधीय गुण होते हैं जो टाइप-2 डायबिटीज रोगियों को ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने में मददगार हो सकते हैं। पशु और मानव दोनों पर किए गए अध्ययनों से पता चला है कि तुलसी मधुमेह के लक्षणों को रोकने में मददगार साबित हो सकती है। रक्त में अतिरिक्त इंसुलिन, उच्च कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज में होने वाली हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को कंट्रोल रखने में भी तुलसी फायदेमंद हो सकती है।

हृदय रोगियों के लिए फायदेमंद

शोधकर्ताओं ने पाया जिन लोगों को हार्ट की समस्या है उन्हें नियमित रूप से तुलसी की पत्तियों का सेवन करना चाहिए। तुलसी के पत्तों का सेवन उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में लाभकारी हो सकती है। एक अध्ययन में पाया गया कि तुलसी में मौजूद तेल (यूजेनॉल) तनाव-प्रेरित कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है। तुलसी के पत्ते का पाउडर खाने के बाद मधुमेह वाले और बिना मधुमेह वाले चूहों में कोलेस्ट्रॉल के स्तर में कमी आई।

तुलसी के औषधीय गुण

कई अध्ययनों में तुलसी से सेहत को होने वाले फायदों के बारे में पता चलता है। तुलसी की पत्तियों के अलावा इसके बीज और अर्क को भी कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए प्रयोग में लाया जाता रहा है। तुलसी पोषक तत्वों से भी परिपूर्ण होती है इसमें विटामिन-ए और सी के साथ कैल्शियम, जिंक, आयरन पाया जाता है। तुलसी के औषधीय गुण शुगर और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने में सहायक हो सकती है।

तुलसी का काढ़ा बहुत लाभदायक

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया दैनिक आहार में तुलसी को कई प्रकार से शामिल करके इससे लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तुलसी की चाय, इसकी पत्तियों या अर्क का सेवन करके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है। तनाव-चिंता जैसे विकारों में भी इसके लाभ हैं। साथ ही और भी लाभदायक है।

चार तस्करों से 15 किलो 160 ग्राम गांजा बरामद

भोपाल। क्राइम ब्रांच की टीम ने चार गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 15 किलो 160 ग्राम गांजा जब्त किया है। तस्कर उक्त गांजा उड़ीसा से भोपाल लेकर आए थे और उसे बेचने की फिराक में थे। क्राइम ब्रांच आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में कार्रवाई कर रही है। क्राइम ब्रांच के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि एमपी नगर में यश बैंक के सामने मैदान में पास संदिग्ध युवक बैठे हैं। उनके पास मादक पदार्थ गांजा है और वह बेचने की फिराक में है। सूचना के बाद हरकत में आई क्राइम ब्रांच ने इलाके की घेराबंदी करते हुए चारों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। उनकी पहचान अर्जुन कुचबंदिया (19) टंकी मोहल्ला, थाना सिविल लाइन हरदा, सूरज कुचबंदिया (35) रेहटी रोड, पक्का ढाबा के पास थाना औबेदुल्लागंज, रायसेन, लक्ष्मण कुचबंदिया (25) टंकी मोहल्ला, हरदा और नर्मदा कहार उर्फ छोटे (27) पीपल चौक, औबेदुल्लागंज के रूप में की गई। तलाशी लेने पर उनके पास 15 किलो 160 ग्राम गांजा मिला।

पिस्टल से फायर कर वायरल किया, क्राइम ब्रांच ने दबोचा

भोपाल। रमजान महीने के शुरुआत में चांद मुबारक का वीडियो वायरल फायरिंग के साथ करने वाले शातिर बदमाश सरोज अली को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। उसने चांद मुबारकर का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। उक्त वीडियो में वह पिस्टल से फायर करते हुए नजर आया था। क्राइम ब्रांच के अनुसार सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था। वायरल वीडियो में एक आरोपी पिस्टल से हवाई फायर करते हुए नजर आया था। वीडियो में ऊपर चांद मुबारक का मैसेज था। पुलिस ने वीडियो की तस्दीक की तो पता चला कि उक्त वीडियो चांदब? निवासी सरोज अली पिता मोहम्मद अनीस (35) का निकला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से पिस्टल बरामद कर ली है। हालांकि बताया जा रहा है कि उक्त पिस्टल बच्चे के खिलौने वाली है और नकली है। उसने दोस्तों को धौंस जमाने के लिए वीडियो वायरल किया है।

दस साल के मासूम की बेहोश होकर संदिग्ध हालतों में मौत

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित जाटखेड़ी में दस साल के मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह बाथरूम में नहाते समय बेसुध हो गया था। पिता उसे एम्स लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पिता बेटे का शव लेकर नर्मदापुरम अपने गांव चले गए थे। वहां अगले ही दिन उन्होंने बेटे का पीएम करावाया। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि उसे बाथरूम में करंट लगा था। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट मिलने कर इंतजार किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार रूपेश कीर पिता कैलाश कीर (10) जाटखेड़ी में पिता के साथ रहता था। उसके पिता गोल्डन सिटी में काम करते हैं। गत 16 मार्च की सुबह वह काम पर चले गए। दोपहर करीब तीन बजे रूपेश की बुआ ने पिता को कॉल कर बताया कि रूपेश बाथरूम में बेहोश पड़ा हुआ है। वे घर पहुंचे और रूपेश को एम्स ले गए। वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद रूपेश को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से पिता रूपेश को लेकर अपने गांव सांगाखेड़ी खुर्द, थाना माखनगंज, जिला नर्मदपुरम ले गए। अगले ही दिन 17 मार्च को उन्होंने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया और बेटे के पीएम कराने का आवेदन दिया। पुलिस ने बेटे का पीएम कराने के बाद शव परिजन को सौंप दिया। वहां से मर्ग डायरी मिसरोद पुलिस को मिली थी। मिसरोद पुलिस का कहना है कि मर्ग कायम कर लिया गया है। अभी तक की जांच में यह बात सामने आई है कि नहाते समय रूपेश को करंट लगा था।

एक्टिवा चुराने के बाद बिना नंबर प्लेट के घूम रहा था फरार आरोपी

भोपाल। शाहजहांनाबाद पुलिस ने टीटी नगर और रातीबड़ में दर्ज अपराध के बाद फरारी काट रहे बदमाश को गिरफ्तार कर उससे

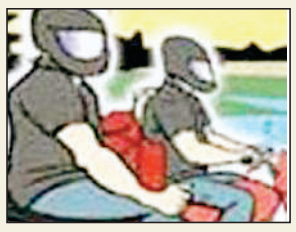

चोरी की एक्टिवा बरामद की है। फरार आरोपी ने एक्टिवा चुराई थी और फरारी के दौरान बिना नंबर प्लेट के वह एक्टिवा लेकर घूम रहा था। आरोपी को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह रुपए की जरूरत पड़ने के बाद चोरी की स्कूटर बेचने की फिराक में था। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली नरेन्द्र रैकवार पिता मनोज रैकवार (27) सूरज नगर थाना रातीबड़ सिल्वर कलर की बिना नंबर एक्टिवा से घूम रहा है। वह स्कूटर बेचने की फिराक में है। पुलिस ने उसे घेराबंदी करते हुए पकड़ लिया। स्कूटर के बारे में पूछताछ की गई तो उसने उक्त स्कूटर भेल गेट के पास से चोरी करना स्वीकार लिया।

वैवाहिक जीवन बचाने पति को बर्दाश्त कर रही थी रिचा, घर से बिना बताए अक्सर चला जाता था दामाद

डॉक्टर रिचा की संदिग्ध मौत, मकान के लिए दामाद कर रहा था प्रताड़ित

मृतका की माता और पिता ने लगाए गंभीर आरोप, बेटी मानसिक रूप से मजबूत थी, वह आत्महत्या नहीं कर सकती, दामाद पर हत्या का आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित स्काई ड्रीम कॉलोनी में डॉक्टर रिचा पांडे की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद शनिवार को उनका पीएम कराया गया। इस दौरान लखनऊ से भोपाल आए परिजन ने अपने डॉक्टर दामाद पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

डॉक्टर रिचा की मां रेनू पांडे और पिता विनोद चन्द्र पांडे का आरोप है कि डॉक्टर अभिजीत पांडे ने उनकी बेटी की हत्या की है। उसका आचरण शादी के बाद से ही ठीक नहीं था। वह दहेज में मकान दिलाने की मांग कर रहा था। बेटी रिचा की शादी महज चार महीने पहले ही हुई थी और धूमधाम से कराई थी। उस समय उन्होंने दहेज भी दिया था।

नई-नई शादी होने के बाद भी दामाद बेटी का ध्यान नहीं रखता था। वह कई बार पांच-पांच दिन के लिए बिना बताए घर से लापता हो हो जाता था। बेटी इस बात को लेकर अक्सर परेशान रहती थी, लेकिन वैवाहिक जीवन बचाने के लिए वह पति को बर्दाश्त कर रही थी। पुलिस ने रिचा का मोबाइल जब्त किया है। पुलिस का अनुमान है कि मोबाइल से कई राज खुल सकते हैं।

मायके पक्ष से कहा झूठ

रिचा पांडे के पिता का कहना है कि दामाद अभिजीत ने बेटी को बताया कि वह एक अस्पताल में भर्ती है। बेटी ने पूछा कौन से अस्पताल में भर्ती हैं तो दामाद ने जवाब नहीं दिया। पांच दिन बाद लौटा तब बेटी ने कहा मैं खुद डॉक्टर हूं, क्या बीमारी है, मुझे बताएं। मैं उसी हिसाब से आपको दवाइयां दूंगी। इस पर दामाद ने कोई जवाब नहीं दे सका। पिता बोले की मेरी बेटी मजबूत थी। वह आत्महत्या नहीं कर सकती। उसकी हत्या की गई है। उसके शरीर पर नीले रंग के धब्बे और गले पर भी निशान हैं।

शादी बचाने के लिए नजरअंदाज किया

मां रेनू पांडे का कहना है कि बार-बार पूछने पर अभिजीत उनकी बेटी को कुछ नहीं बताता था। वह अक्सर कॉल कर अपने पति की करतूत हमें बताती थी। उसकी एक ही शिकायत थी कि बिना बताए अभिजीत कई-कई दिन गायब रहता है। पता नहीं कहां जाता है और कहां रहता है। शादी बचाने के लिए उनकी बेटी उसकी अजीब सी हरकतें सहन कर नजदअंदाज करती रही।

भाई को मैसेज कर भेजा था मोबाइल पासवर्ड

डॉक्टर रिचा की मां रेनू पांडे और पिता विनोद चंद्र पांडे का आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ही दामाद अभिजीत का व्यवहार उनकी बेटी के लिए बदल गया था और वह दहेज में मकान दिलाने की मांग करने लगा था। अचानक बिना बताए गायब हो जाता था।

वैवाहिक जीवन बचाने के लिए रिचा ने अपने पति की इन हरकतों को नजरअंदाज कर कभी कोई विवाद नहीं किया। रिचा की मौत से करीब 9 घंटे पहले उसने अपने भाई को आखिरी मैसेज भेजा था। मैसेज में रिचा ने अपने मोबाइल का पासवर्ड भेजा था। परिजनों का कहना है कि रिचा के मोबाइल में महत्वपूर्ण साक्ष्य मौजूद हैं। डॉ. रिचा पांडे और अभिजीत की पहली मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी।

इसके बाद काफी जल्द ही उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों के परिवार वालों को उनके रिश्ते से कोई आपत्ति नहीं थी। दोनों परिवारों की सहमति से 4 दिसंबर 2024 को लखनऊ में उनकी शादी हुई थी। शादी के बाद से दोनों शाहपुरा की स्काई ड्रीम कॉलोनी में रह रहे थे।

एम्स की नर्सिंग ऑफिसर ने कर ली फांसी लगाकर आत्महत्या

सुसाइड नोट में लिखा मैं तनाव में हूं इसलिए कर रही हूं आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित स्प्रींग व्हेली में शनिवार सुबह एम्स के कैंसर डिपार्टमेंट की नर्सिंग ऑफिसर ने फांसी लगा ली। उसका शव बेडरूम में सिलिंग फैन पर दुपट्टे के सहारे फांसी के फंदे पर लटका मिला।

पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है। अंग्रेजी में लिखे इस सुसाइड नोट में नर्सिंग ऑफिसर ने लिखा है कि मैं तनाव में हूं इसलिए आत्महत्या कर रही हूं। सुसाइड नोट में किसी पर किसी तरह के आरोप नहीं लगाए हैं। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर लिया है। झांसी से परिजन के पहुंचने पर रविवार को उसका पीएम कराया जाएगा।

पुलिस के अनुसार दीपिका साहू पिता घनश्याम दास साहू (26) सदर बाजार, झांसी की थी। स्प्रींग व्हेली में पांचवे फ्लौर पर वह किराए के फ्लैट में रह रही थी और एम्स के कैंसर डिपार्टमेंट में नर्सिंग ऑफिसर थी। दीपिका के पड़ोस में अन्य स्टुडेंट रहते हैं। शनिवार सुबह से उसके फ्लैट का दरवाजा नहीं खुला था। पड़ोसियों ने आवाज दी, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। उसके नंबर पर कॉल भी किया गया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हो रहा था।

अनहोनी की आशंका पर स्प्रींग व्हेली के समिति को घटना की जानकारी दी गई। समिति के लोगों ने फ्लैट ऑनर को बताया और उनसे सेंट्रल लॉक की चाबी लेकर दरवाजा खोला गया। इस दौरान दीपिका का शव बेडरूम में बेड के ऊपर लगे सिलिंग फैन पर लटका हुआ मिला।

पलंग पर स्टूल रखकर बांधा फंदा

एएसआई राकेश परिहार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई थी। घटनास्थल का निरीक्षण करने पर पता चला कि दीपिका ने बेड पर स्टुल रखकर दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगाई है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो एक पन्ने का सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट अंग्रेजी में लिखा हुआ था। जिसमें दीपिका ने किसी पर आरोप नहीं लगाए हैं। उसने केवल यह लिखा है कि मैं तनाव में हूं। इसलिए आत्महत्या कर रही हूं।

कैब के ड्राइवर ने फांसी का फंदा बनाकर कर ली अपनी जीवनलीला समाप्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित गांव बर्रई में शनिवार शाम कैब ड्राइवर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश रस्सी के फंदे पर पड़ोसियों ने लटकी देख पुलिस को सूचना दी थी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसका शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस को उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उसकी पत्नी से अनबन हुई थी और अनबन के बाद पत्नी मायके चली गई थी। अनुमान है कि उसने पत्नी के मायके जाने से दुखी होकर आत्महत्या की है।

प्रधान आरक्षक मंशाराम ने बताया कि प्रीतम लोधी पिता राजाराम लोधी (35) गांव बर्रई में रहता था और स्वयं की गाड़ी कैब में चलाता था। प्रीतम का पूर्व पत्नी से तलाक हो गया था और उसने दूसरी शादी की थी।

दूसरी पत्नी से उसकी बनती नहीं थी। दो दिन पूर्व ही पत्नी से उसकी कहासुनी हुई थी। कहासुनी के बाद पत्नी नागपुर अपने मायके चली गई। यहां घर पर प्रीतम अकेला था। शनिवार शाम करीब चार बजे के आसपास पड़ोसियों की नजर प्रीतम के घर पर पड़ी तो दरवाजा खुला हुआ था।

अंदर जाकर देखने पर पता चला कि उसने फांसी लगा ली है। पुलिस ने बताया कि प्रीतम के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पड़ोसियों ने बताया कि दो दिन पूर्व पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच करने में जुट गई है।

लाश रस्सी के फंदे पर पड़ोसियों ने देख पुलिस को सूचना दी, दूसरी पत्नी कहासुनी के बाद गई मायके

मेट्रो एंकर टीआई का कहना कार्रवाई की थी, इसलिए एएसआई रघुवंशी ने उनको फंसाया

भ्रष्टाचार के आरोपी टीआई जितेंद्र गढ़वाल को हाईकोर्ट से मिल गई अग्रिम जमानत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग में फर्जी कॉल सेंटर संचालकों का संरक्षण कर मोटी रकम वसूलने के आरोप में सस्पेंड ऐशबाग के तत्कालीन थाना प्रभारी जितेन्द्र गढ़वाल को जबलपुर हाईकोर्ट अग्रिम जमानत मिल गई है। भ्रष्टाचार अधिनियम का प्रकरण दर्ज होते हुए थाना प्रभारी फरार हो गया था। प्रकरण दर्ज होने के दूसरे दिन वह कमिश्नर कार्यालय पहुंचा और क्षमा याचना की थी। बावजूद इसके उसकी गिरफ्तारी नहीं की जा सकी थी। उक्त भ्रष्टाचार के मामले में ऐशबाग थाने के पूर्व एएसआई मनोज सिंह, प्रधान आरक्षक धर्मेन्द्र सिंह और अन्य आरोपी मोईन खान व पार्षद अंशुल अब भी फरार हैं। प्रयास के बाद भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है न ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए इनाम की घोषणा की गई है।

उल्लेखनीय है कि प्रभात चौराहा पर संचालित होने वाला आइडियालॉजी एडवांस स्टॉक प्राइवेट लिमिटेड नामक कॉल सेंटर पर पुलिस ने 23 फरवरी को छापामार कार्रवाई की थी। पुलिस ने कॉल सेंटर को पूरी तरह से सील कर दिया। एएसआई पवन रघुवंशी ने कॉल सेंटर के कर्मचारियों से पूछताछ के बाद खुलासा किया कि वे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर बाजार में निवेश से संबंधित विज्ञापन प्रसारित कर ठगी करते थे। पुलिस ने 80 से अधिक कंप्यूटर और 26 मोबाइल सिम जब्त की थी। पुलिस को कॉल सेंटर के सरगना की एक डायरी भी मिली थी, जिसमें 100 से अधिक नाम और मोबाइल नंबर दर्ज थे।

लाइन अटैच होने के बावजूद डायरी ले गया था पवन

एएसआई पवन को लाइन हाजिर किए जाने के बाद तत्काल प्रभाव से अपने पास मौजूद तमाम केस डायरियों का चार्ज दूसरे को ट्रांसफर करने के आदेश दिए गए। बावजूद इसके पवन रघुवंशी पुराने केस की सभी डायरियां अपने साथ ले गया था। इन डायरियों में फर्जी कॉल सेंटर केस की डायरी भी थी। इस बात की रिपोर्ट भी रोजनामचा में दर्ज है। एएसआई पवन रघुवंशी पर रिश्वत के 4.94 लाख रुपए घर में रखने के आरोप हैं। वह लाइन हाजिर होने के बाद भी अहम मामलों की डायरियां अपने साथ ले गया था। कार्यवाहक निरीक्षक जितेन्द्र ग?वाल ने डीसीपी जोन-एक को गोपनीय पत्र के माध्यम से उसके संदिग्ध आचरण की जानकारी दी थी। इस आधार पर 28 फरवरी को उसे लाइन हाजिर किया गया। इसकी रिपोर्ट रोजनामचा में भी दर्ज की गई थी।

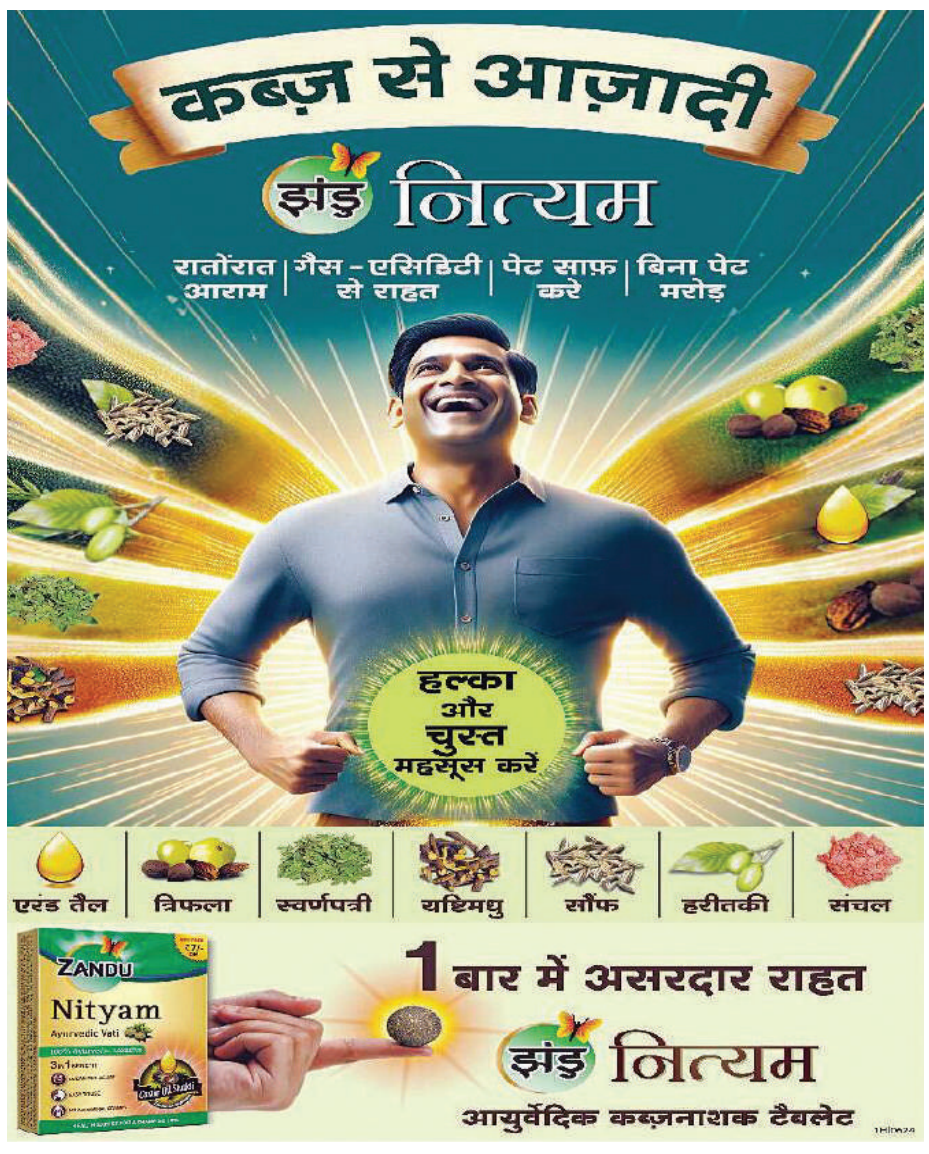

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022